हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 26 | प्रयागराज, गुरुवार 27 अप्रैल , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

क्या कर्नाटक के बेटे-बेटियां अपना प्रदेश नहीं चला सकते, अमित शाह के बयान पर प्रियंका गांधी ने साधा निशाना

बेंगलुरु। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान को लेकर बुधवार को उन पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या कर्नाटक के बेटे–बेटियां अपने प्रदेश को नहीं चला सकते। उन्होंने राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने का उल्लेख करते हुए उम्मीद जताई कि जिस तरह से 1978 में चिकमगलूर के लोगों ने इंदिरा गांधी को यह आत्मविश्वास दिया था कि जनता उनके साथ है, उसी तरह का आत्मविश्वास देश के लोग राहुल गांधी को भी देंगे। प्रियंका गांधी ने यहां एक चुनावी सभा में कर्नाटक की सरकार पर 1.5 लाख करोड़ रुपए की लूट का आरोप लगाया और लोगों का आह्वान किया कि वे कांग्रेस की सरकार बनाएं ताकि उनके हित में काम हो सके। कांग्रेस महासचिव ने अमित शाह का नाम लिए बगैर कहा, ''सरकार के बड़े–बड़े मंत्री कहते हैं कि यह प्रदेश हमें सौंप दो, वो आपके उम्मीदवारों को आपके सामने खड़ा करके कहते हैं कि इनको मत पूछिये, अपना प्रदेश प्रधानमंत्री जी को सौंप दीजिए। ऐसा क्यों? क्या बसवन्ना

जी, नारायण गुरू जैसे महापुरुषों के बेटे और बेटियां अपना प्रदेश नहीं चला सकते? कांग्रेस ने कर्नाटक में अमित शाह के चुनाव प्रचार का एक वीडियो जारी किया है जिसमें वह यह कहते सुने जा सकते हैं कि यह विधानसभा चुनाव केवल एक विधायक चुनने के लिए नहीं बल्कि राज्य के भविष्य को प्रधानमंत्री मोदी के हाथों में सौंपने के लिए है प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में चुनावी वादे नहीं किए हैं, बल्कि गारंटी दी है तथा सरकार बनने के बाद इस पर अमल शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस की चुनावी 'गारंटी का उल्लेख भी किया। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस द्वारा घोषित चुनावी 'गारंटीश में कहा गया है कि 'गश्ह ज्योति के तहत हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 'गश्ह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की प्रत्येक प्रमुख महिला को 2,000 रुपए प्रति माह, 'अन्न भाग्य के तहत बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर महीने 10 किलोग्राम चावल की पेशकश की जाएगी। इसके अलावा 'युवा निधि के तहत बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह 3,000 रुपए तथा डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। प्रियंका गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री और अपनी दादी इंदिरा गांधी के चिकमगलूर से चुनाव लड़ने और श्रश्ंगेरी मठ का दर्शन करने का उल्लेख करते हुए कहा, ''1978 में जब इंदिरा जी यहां आईं थी तो उनके लिए संघर्ष का समय था और आज भी मेरे परिवार के लिए संघर्ष का समय है। उस समय भी आज की तरह बारिश हो रही थी। हम मानते हैं कि यह बारिश भगवान का आशीर्वाद है। प्रियंका गांधी का कहना था, ''इंदिरा जी के खिलाफ भी एक मामला दर्ज करके उन्हें संसद से निकाला गया था। आप लोग उन्हें संसद में वापस लाए और यह विश्वास दिया था कि जनता साथ है। आज उनके पोते राहुल गांधी को उसी तरह से फर्जी मामला दर्ज कर संसद से बाहर निकाल दिया गया है। राहुल गांधी और हमारे पूरे परिवार को विश्वास है कि जनता हमारे साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक की भाजपा सरकार ने हर स्तर पर जनता का विश्वास तोड़ा है। प्रियंका गांधी ने कहा, ''कर्नाटक में 2.5 लाख सरकारी पद खाली हैं। लेकिन लोगों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। यहां हर पद की कीमत तय कर दी गई है। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक की मौजूदा भाजपा सरकार ने 1.5 लाख करोड़ रुपए लूटे हैं और इतनी रकम से 100 एम्स बन सकते थे। ऐसी सरकार चुनें जोउन्होंने कहा कि 'कांट्रैक्टर एसोसिएशन ने कर्नाटक में भ्रष्टाचार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। प्रियंका गांधी नेआरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के मित्र अडाणी एक दिन में 1600 करोड़ रुपए बना रहे हैं, जबकि देश के किसान की प्रतिदिन की आय 27 रुपए है। कांग्रेस महासचिव ने लोगों का आह्वान किया कि वो ऐसी सरकार चुनें जो समस्याओं को समझे और उनके लिए दिल से काम करे। चुनावी सभा से पहले प्रियंका गांधी ने श्रश्ंगेरी शारदा पीठ में दर्शन किए। वह मैसुरु की मशहूर डोसे की दुकान 'मायलारी होटल भी गईं जहां उन्होंने डोसा बनाने में अपना हाथ आजमाया।

केजरीवाल के आवास पर भाजपा नेताओं का प्रदर्शन, पुलिस ने हटाया

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के कुछ नेताओं को पुलिस और वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों के बुधवार को जबरन वहां से हटा दिया। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि पार्टी के प्रदेश महासचिव कुलजीत चहल और अन्य नेताओं को तथा एक टीवी पत्रकार को यहां सिविल लाईंस इलाके के फ्लैगस्टाफ रोड पर स्थित केजरीवाल के आवास के बाहर से हटाया जा रहा है। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता हरिश खुराना ने ट्विटर पर वीडियो साझा कर आरोप लगाया है कि पत्रकार से 'बदसलूकी कर रहा शख्स मुख्यमंत्री का "निजी" सुरक्षा कर्मी है। इस घटना पर दिल्ली सरकार या आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हुई। भाजपा का दावा है कि मुख्यमंत्री के सरकारी आवास की मरम्मत पर 2020–22 के दौरान करीब 45 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और इस मुद्दे को लेकर उसके नेता केजरीवाल से मिलने उनके आवास पर गए थे। इससे पहले भाजपा ने दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बंगले की साज–सज्जा पर 45 करोड़

रुपये से अधिक धनराशि खर्च की गई। पार्टी ने आरोप लगाया कि बंगले की साज–सज्जा पर इतनी बड़ी रकम खर्च किया जाना आम आदमी पार्टी (आप) के संस्थापक के वैचारिक 'नवीनीकरणश का संकेत है, जिन्होंने राजनीति में कदम रखने के दौरान ईमानदारी और सादगी को बढ़ावा देने का वादा किया था। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्हें 'महाराजाश करार दिया। पात्रा ने कहा कि बंगले के लिए 'उत्कृष्ट उत्पादों के चयन और 'आलीशान एवं आरामदायक जीवन की लालसा के लिए राजा–महाराजा भी केजरीवाल के आगे सिर झुकाएंगे। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने इस खबर को दबाने के लिए मीडिया संस्थानों को 20 करोड़ से 50 करोड़ रुपये तक की पेशकश की थी, लेकिन समाचार चौनलों और अखबार ने उनकी पेशकश ठुकरा दी। पात्रा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल के बंगले के लिए खरीदे गए आठ पर्दों में से एक की कीमत 7.94 लाख रुपये से अधिक थी, जबकि इनमें से सबसे सस्ता पर्दा 3.57 लाख रुपये का था। भाजपा प्रवक्ता ने दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि बंगले के लिए 1.15 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का संगमरमर वियतनाम से लाया गया था, जबकि चार करोड़ रुपये पूर्व–निर्मित लकड़ी की दीवारों पर खर्च किए गए थे।

कालियागंज हिंसा पर ममता ने लगाए गंभीर आरोप, बोलीं, आग लगाने के लिए बाहर से बुलाए गए लोग

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कालियागंज की हिंसा पर कहा कि पुलिस थाने और लोगों की संपत्ति जलाने के लिए बाहरी लोगों को लाया गया। ममता बनर्जी का यह बयान घटना के एक दिन बाद आया है। बतात चलें कि मंगलवार को लड़की की हत्या को लेकर गुस्साए लोगों ने कालियागंज थाने में आग लगा दी थी। ममता ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों की संपत्ति कुर्क की जाएगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में अशांति का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अराजकता फैलाने की साजिश को विफल करेंगे। उन्होंने कहा कि हम पश्चिम बंगाल के कालियागंज में लड़की की मौत और मंगलवार को हुई आगजनी, दोनों घटनाओं की जांच करेंगे।

पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर के कालियागंज में गुस्साए लोगों ने थाने में आग लगा दी। भीड़ ने नाबालिग बच्ची की मौत से गुस्सा होकर यह कदम उठाया। कुछ दिन पहले भी इस घटना को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया था। आग लगाने की घटना के बाद कलियागंज थाने के आसपास बड़ी

संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। मंगलवार को यह घटना उस वक्त हुई जब रायगंज में भाजपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने के पहुंचे। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में मंगलवार को फिर से जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने के लिए भाजपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई। पुलिस ने कानून व्यवस्था को बहाल करने के लिए पत्थरबाजी करने वालों को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज भी किया। कालियागंज में शुक्रवार और शनिवार को तालाब किनारे किशोरी का शव मिलने के बाद हिंसा हुई थी। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के कलियागंज थाना क्षेत्र के साहेबघाटा गांव में किशोरी के साथ दुष्कर्म और हत्या के शुरुआती आरोपों के बीच हिंसा भड़क उठी. हालात पर काबू पाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसबल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही हिंसा भड़क गई और साक्ष्य को सुरक्षित रखने के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कोशिश की।

महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों पर एफआईआर से पहले प्रारंभिक जांच की जरूरत : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बश्जभूषण शरण सिंह के खिलाफ सात महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ को दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि अगर शीर्ष अदालत को लगता है कि सीधे प्राथमिकी दर्ज की जानी है तो ऐसा किया जा सकता है। मेहता ने कहा, 'प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि प्राथमिकी दर्ज किए जाने से पहले प्रारंभिक जांच किए जाने की जरूरत है। मेहता ने कहा कि ऐसी धारणा कायम न होने दें कि अदालत के कहने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। पीठ ने मेहता की दलीलों का संज्ञान लिया और कहा कि दिल्ली पुलिस 28 अप्रैल को पहलवानों की याचिका पर सुनवाई के दौरान प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर अपने विचार रख सकती है।

लोग यूरोप- स्विट्जरलैंड जा रहे हैं, पर अपने देश को ठीक से नहीं जानते, मन की बात 100 में बोले उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की 'जबरन चुप कराने की टिप्पणी पर तंज करते हुए बुधवार को कहा कि भारत में जितनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, उतनी दुनिया के किसी और स्थान पर नहीं मिल सकती। 'मन की बात एट 100 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए धनखड़ ने आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले इस मासिक कार्यक्रम को राजनीति से दूर रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। धनखड़ ने कहा कि यह कार्यक्रम देश के लिए उम्मीद की किरण और हर आदमी की दिल की बात बन गई है। उन्होंने कुछ लोगों के देश में या बाहर जाकर 'शुतुरमुर्ग वाला रूख अख्तियार करने की आलोचना की और पूछा कि हम अपनी उपलब्धियों को कैसे नजरंदाज कर सकते हैं? सोनिया गांधी के हाल के लेख 'इंफोर्स्ड साइलेंस के परोक्ष संदर्भ में धनखड़ ने कहा कि भारत में जितनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, उतनी दुनिया के किसी और स्थान पर नहीं मिल सकती। उन्होंने कहा, '' मुझे यह देखकर कई बार पीड़ा होती है कि हमारा बुद्धिजीवी वर्ग

क्या कर रहा है। जबरन चुप करने को लेकर लम्बे लेख लिखे जा रहे हैं। देश में जबरन चुप कैसे किया जा सकता है। इतनी अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दुनिया के किसी और स्थान पर नहीं मिल सकती है। उद्घाटन सत्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकर और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव अपूर्व चंद्र तथा प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी भी मौजूद थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें कई बार तरस आता है और इस बात पर चिंतन, मंथन करन पड़ता है कि हमारे ही कुछ लोग देश में या बाहर जाकर क्यों 'शुतुरमुर्ग वाला रूख अख्तियार करते हैं ? वे क्यों दीवार पर लिखी इबारत को नहीं देखते ? उन्होंने कहा, '' मुझे तो बड़ा अजीब लगता है । मुझसे ज्यादा इस बात को कौन जनता है क्योंकि मैं उच्च सदन का अध्यक्ष हूं जो अधिकांश रूप से बाधित रहती है। लेकिन वहां बोलने की पूरी स्वतंत्रता रहती है। उन्होंने कहा कि 1989 में जब वे पहली बार सांसद बने तब उन्हें लगा कि उनके पास काफी ताकत आ गई है क्योंकि वे हर साल 50 गैस कनेक्शन दे सकते थे। धनखड़ ने कहा, '' लेकिन मन की बात के शिल्पकार ने 15 करोड़ गैस कनेक्शन दिये और वह भी मुफ्त। यह एक बड़ी उपलब्धि है। श्श उन्होंने कहा, '' विजयदशमी के पावन अवसर पर साल 2014 में प्रधानमंत्री ने एक नायाब शुरुआत की– मन की बात। उनके मन की बात हर आदमी के श्दिल की बातश बन जाती है। श्श उन्होंने कहा कि मन की बात ने रेडियो को जीवंत बना दिया क्योंकि इतने प्रौद्योगिकी विकास के कारण रेडिया पृष्ठभूमि में चला गया था, अब वह आगे आ गया। उन्होंने कहा कि आज आयोजित इस कार्यक्रम के चार सत्र हैं जिसमें पहला नारी शक्ति है। उपराष्ट्रपति ने कहा, '' देश में नारी शक्ति का उत्थान हो रहा हैकृ जिन क्षेत्रों में पहले उनका पदार्पण नहीं था, अब वहां भी उनकी मजबूत उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि हमें आधी आबादी को उनका हक देना ही होगाकृ इस दिशा में बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ एक महत्वपूर्ण जन–अभियान है। विरासत के उत्थान का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लुक ईस्ट, एक्ट ईस्ट की बात कही। देश के पूर्वोत्तर भाग में संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य का कितना बड़ा खजाना अनसुना अनदेखा था और अब इस दिशा में काम शुरू हो गया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पर्यटन के लिए लोग यूरोप– स्विट्जरलैंड जा रहे हैं, पर अपने देश को ठीक से नहीं जानते। उन्होंने कहा कि पहले हमें अपने देश के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत को देखना–समझना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले मासिक 'मन की बातश कार्यक्रम की 100वीं कड़ी आगामी रविवार को प्रसारित होगी।

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमला, 10 जवान शहीद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के घुर नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में गश्त से लौट रहे जवानों के वाहनों को विस्फोट से उड़ाने से सुरक्षा बलों के 11 जवान शहीद हो गए,जबकि कुछ जवान घायल भी हुए है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले के अरनपुर क्षेत्र में गश्त से लौट रहे सुरक्षा बलों के जवान आज दोपहर लौट रहे थे कि उनके वाहन को नक्सलियों ने आई ब्लास्ट कर उड़ा दिया जिससे वाहन के चालक समेत 11 जवान मौके पर ही शहीद हो गए। कुछ जवानों के घायल होने की भी सूचना है। घटना की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों को एम्बुलेंस के साथ घटनास्थल की ओर रवाना कर दिया गया है। घटनास्थल जिला मुख्यालय से लगभग 50 किमी दूर घटना जंगली क्षेत्र बताया गया है। राज्य में लम्बे समय बाद नक्सलियों के हमले में इतनी बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवान शहीद हुए है। गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से फोन पर बात कर जानकारी मांगी है।

केंद्रीय गश्ह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

से बात की और दंतेवाड़ा में नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में 10 पुलिसकर्मियों के शहीद होने की घटना के बाद की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक शाह ने स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री को हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्री ने बघेल से बात की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार को हरसंभव मदद देगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर घटना पर दुख जताते हुए कहा है कि दंतेवाड़ा के थाना अरनपुर क्षेत्र अंतर्गत माओवादी कैडर की उपस्थिति की सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान के लिए पहुंचे डीआरजी बल पर आईईडी विस्फोट से हमारे 10 डीआरजी जवान एवं एक चालक के शहीद होने का समाचार बेहद दुखद है। हम सब प्रदेशवासी उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनके परिवारों के साथ दुःख में हम सब साझेदार हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में हमारे जवान शहीद हो गए। नक्सलियों की यह कायराना हरकत बेहद परेशान करने वाली सूचना है। नक्सलवाद को कुचलने के लिए सभी सरकारों को तत्काल सख्त कदम उठाने की जरूरत है। शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे!!

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए माँ भारती के वीर सपूतों को विनम्र श्रद्धांजलि! मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। इस दुःखद घड़ी में हम सभी परिजनों के साथ खड़े हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान व परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा-असंवैधानिक होने के कारण मुस्लिम कोटा खत्म करने का लिया फैसला

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि उसने मुस्लिम समुदाय के लिए केवल धर्म के आधार पर आरक्षण जारी नहीं रखने का फैसला सोच–समझकर लिया है, क्योंकि यह असंवैधानिक है और संविधान के अनुच्छेद व 14 व 16 के खिलाफ है। राज्य सरकार ने बताया कि 27 मार्च को मुसलमानों को प्रदान किए गए 4 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर दिया गया था और समुदाय के सदस्यों को ईडब्ल्यूएस योजना के तहत आरक्षण के लाभ लेने की अनुमति दी गई थी। सरकार ने कहा कि यह ध्यान रख चाहिए कि मुस्लिम समुदाय के पिछड़े समूहों को 2002 के आरक्षण आदेश के समूह एक के तहत आरक्षण के लाभ प्रदान किए जाते रहेंगे। राज्य सरकार ने कहा कि केवल धर्म के आधार पर आरक्षण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। इसलिए किसी भी समुदाय को केवल धर्म

के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। राज्य ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा के विपरीत होगा। सरकार ने कहा कि केवल इसलिए कि अतीत में धर्म के आधार पर आरक्षण प्रदान किया गया है, इसे हमेशा के लिए जारी रखने का कोई आधार नहीं है। राज्य सरकार ने कहा कि समाज में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग हैं, जो ऐतिहासिक रूप से वंचित और भेदभाव के शिकार हैं और इसे एक पूरे धर्म के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है, और जोर देकर कहा कि मंडल आयोग ने स्पष्ट रूप से पाया कि धर्म आरक्षण का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। हलफनामे में कहा गया हैरू केंद्रीय सूची में धर्म के आधार पर मुस्लिम समुदाय को कोई आरक्षण नहीं दिया गया है। मुस्लिम धर्म के विभिन्न समुदाय हैं जो एसईबीसी में शामिल हैं, उन्हें कर्नाटक में भी आरक्षण जारी है। राज्य सरकार ने कहा कि 103वें संशोधन के आधार पर आर्थिक मानदंड (ईडब्ल्यूएस) के आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मुस्लिम समुदाय भी उठा सकता है। हलफनामे में कहा गया है कि 1979 में मुस्लिम समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में शामिल करना एलजी हवानूर की अध्यक्षता वाले प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों के विपरीत था। आंध्र प्रदेश के मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने मुसलमानों के बीच केवल सीमित पहचान योग्य समुदायों के लिए आरक्षण की अनुमति दी, न कि पूरे धर्म के लिए।

सम्पादकीय

ग्लोबल वार्मिंग

इधर ग्लोबल वार्मिंग से मौसम के मिजाज में खासा बदलाव आया है। कब बारिश हो जाये कहना मुश्किल है। हालांकि, अब मौसम विभाग को उपग्रहों के संबल से मौसम की सटीक भविष्यवाणी करना संभव हुआ है। कुछ दिन पहले बता दिया जाता है कि फलां दिन मौसम खराब होगा या बारिश होगी। लेकिन वे तस्वीरें विचलित करती हैं जब मंडियों व सरकारी गोदामों के बाहर पड़ा गेहूं बारिश में भीगता दिखायी देता है। जाहिर है जिन विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की जिम्मेदारी अनाज भंडारण व संरक्षण की होती है, वे अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वाह नहीं करते। वे तस्वीरें परेशान करती रहीं जिनमें किसान मंडियों में खरीद के लिये रखे अनाज को बारिश से बचाने का प्रयास करते नजर आये। दरअसल, खरीद प्रक्रिया की जटिलताओं के चलते भी खरीद में विलंब होने से काफी अनाज मंडियों के परिसरों में पिछले दिनों भीगता नजर आया। खुले में खराब होता अनाज हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करता है। कैसे किसान अनाज को अपनी खून–पसीने की मेहनत से सींचता है और तंत्र की काहिली से वह अनाज खराब हो जाता है। उसकी गुणवत्ता खराब होने से किसान को अनाज औने–पौने दाम में बेचने के लिये बाध्य होना पड़ता है। यह विडंबना है कि जिस देश में भूख व कुपोषण के आंकड़े शर्मसार करते हों वहां लाखों टन अनाज संवेदनहीन तंत्र की लापरवाही से यूं ही बर्बाद हो जाता है। हमारी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक खाद्यान्न का यूं खराब हो जाना एक आपराधिक लापरवाही का ही नतीजा है। जाहिर है देश में अवैज्ञानिक तरीके से अनाज भंडारण के चलते ही ऐसी समस्या उपजती है। पिछले दिनों खबर आई कि रोहतक में किसानों को अपना अनाज बचाने के लिये उसका भंडारण श्मशान घाट के शेड में करना पड़ा। गाहे–बगाहे मीडिया में अन्न की बर्बादी की खबरें विचलित करती हैं। वहीं अनाज भंडारण व संरक्षण से जुड़े विभागों के कर्मचारियों द्वारा भी अनाज को नुकसान पहुंचाने की खबरें आई हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश में हर साल बारह से सोलह मिलियन टन अनाज पर्याप्त भंडारण सुविधा के अभाव में बर्बाद हो जाता है। इतना अनाज देश के एक तिहाई गरीबों को खिलाने के लिये पर्याप्त होता। लेकिन दशकों से चले आ रहे संकट के बावजूद वैज्ञानिक रूप से सुदृढ़ भंडारण की दिशा में गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आये। इसके लिये जरूरत के मुताबिक निवेश किया ही नहीं गया। होना तो यह चाहिए था कि फसल की कटाई के बाद नुकसान को कम करने के लिये नयी तकनीक के इस्तेमाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती। जिससे लाखों टन अनाज को बर्बाद होने से बचाया जा सकता। कोरोना महामारी तथा रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद पूरे विश्व में पैदा हुए खाद्यान्न संकट के मद्देनजर अनाज के महत्व को समझा जाना चाहिए। दरअसल, अनाज के उत्पादन से लेकर उपभोग तक की आपूर्ति शृंखला के प्रत्येक चरण में यह नुकसान होता है। इसके अलावा खाद्यान्न की मात्रा के साथ ही गुणात्मकता के लिये सुरक्षित भंडारण की सुविधा बेहद जरूरी है। एक अध्ययन के मुताबिक अनाज की कटाई, थ्रेसिंग, परिवहन व भंडारण के दौरान भारी मात्रा में अनाज बर्बाद हो जाता है। प्रतिकूल मौसम में आये दिन होने वाली बारिश व ओलावृष्टि से हम अनाज को पूरी तरह से सुरक्षित नहीं कर पाये हैं। वहीं दूसरी ओर हर साल किसान अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहे हैं। आज स्टील का ढांचा बनाकर उसे प्लास्टिक आदि की चादरों से ढककर अनाज भंडारण की अस्थायी व्यवस्था की जाती है, लेकिन छोटे किसान के लिये यह व्यावहारिक नहीं है। हालांकि ग्राम पंचायत स्तर पर प्रौद्योगिकी संचालित सुविधाएं स्थापित करने के सामूहिक प्रयास कारगर हो सकते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि ग्रामीण स्तर पर गोदामों के लिये एक राष्ट्रीय ग्रिड बनाया जाये। राष्ट्रीय अनाज बोर्ड की स्थापना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है। साथ ही किसानों को राष्ट्रीय स्तर पर जागरूक करना होगा कि अनाज के भंडारण व प्रभावी कीट प्रबंधन के लिये कैसे वैज्ञानिक तौर–तरीके अपनाये जाने चाहिएं। साथ ही खाद्य संरक्षण से जुड़े कर्मियों को गुणवत्ता के रखरखाव के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

रहस्य तो कायम हैं

अमृतपाल को लेकर रहस्य अभी नहीं छंटे हैं। अब देखने की बात होगी कि क्या गिरफ्तारी के बाद राज्य से बहुत दूर भेजने के निर्णय से अमृतपाल का पंजाब में असर कमजोर होगा? यह उसका साया वहां मंडराता रहेगा?

उग्रवादी नेता अमृतपाल सिंह को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन उससे उन रहस्यों पर से अभी परदा नहीं हटा है, जो वारिस दे पंजाब नाम के संगठन के इस नेता को लेकर पिछले महीनों में गहराती चली गई हैं। इनमें सबसे पहला रहस्य तो यही है कि यह शख्स आखिर अचानक कहां से आ धमका और इस हद तक चर्चित हो गया। शुरुआती दिनों में पंजाब पुलिस ने उसके साथ जो विशेष बर्ताव किया, उससे भी कई सवाल उठे थे। और अंत में जिस ढंग से उसकी गिरफ्तारी की कोशिश हुई और उसके बीच यह गायब हो गया, उन सबने लोगों के मन में कहीं ना कहीं कुछ काला होने का भाव पैदा किया। अब उसकी गिरफ्तारी उस मुकाम पर आने के बाद हुई है, जब वह एक बहुचर्चित व्यक्ति बन चुका है। साथ ही वह पंजाब में एक खास तरह की अलगावादी–सियासी धारा की नुमाइंदगी करता भी दिख रहा है।

गिरफ्तार करने के बाद जिस तरह उसे असम ले जाने का फैसला हुआ, उससे भी यही संकेत दिया गया कि पंजाब में इस व्यक्ति को लेकर एक खास तरह की परिस्थिति पैदा हो चुकी है। सरकार की तरफ से कहा गया है कि सुरक्षा कारणों से अमृतपाल सिंह को असम की डिब्रूगढ़ जेल भेजा गया है।

तबस्सुम की सफलता और कुछ सवाल

कर्नाटक की छात्रा तबस्सुम शेख ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अप्रैल के महीने में हिंदुस्तान के लोग लगभग हर साल इसी तरह की सुर्खियों को देखते हैं कि लड़कियों ने लड़कों को पछाड़ा या बोर्ड में लड़कों से आगे रही लड़कियां, आदि आदि। लेकिन तबस्सुम का मामला कुछ अलहदा है, उन् होंने बोर्ड में पहला स्थान हिजाब विवाद के बीच हासिल किया है। पाठक जानते हैं कि कर्नाटक के शिक्षण संस्थानों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने पर बड़ा विवाद खड़ा हुआ, जिसके लिए अदालत का दरवाजा भी खटखटाया गया। कर्नाटक की भाजपा सरकार ने पिछले साल की शुरुआत में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर पाबंदी लगा दी थी, क्योंकि यह एक धार्मिक लिबास है और सरकार इसे स्कूल–कॉलेज के ड्रेस कोड के अनुरूप नहीं मानती। लेकिन फिर भी कई लड़कियों ने हिजाब पहनना नहीं छोड़ा, तो उन्हें कक्षा में बैठने की अनुमति ही नहीं दी गई। कुछ जगहों पर हिंदुत्व के प्रचारक युवा केसरिया गमछा पहनकर विरोध करने लगे। हिजाब पहनी मुस्लिम छात्राओं को भयभीत करने के लिए जय श्रीराम के नारे भी कुछ जगहों पर लगे।

हाईकोर्ट ने भी शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं दी। सरकार के फैसले के खिलाफ कई लड़कियों ने अपील दायर की, तबस्सुम भी उन्हीं में से एक थी। बहुत सी लड़कियों ने हिजाब न पहनने के कारण कक्षाओं में जाना छोड़ दिया और कई का तो साल भी बर्बाद हो गया, क्योंकि वे परीक्षा नहीं दे पाईं। लेकिन तबस्सुम के पिता ने उन्हें समझाया कि कानून का पालन करना चाहिए और शिक्षा बच्चों के लिए किसी भी चीज से अधिक महत्वपूर्ण है। तबस्सुम ने उनकी नसीहत पर अमल करते हुए हिजाब के ऊपर शिक्षा को चुना और उम्दा अंक लाकर अव्वल स्थान प्राप्त किया। तबस्सुम की यह सफलता की कहानी अब टीवी चौनलों से लेकर कई बड़े अखबारों में छाई हुई है। कोई लड़की तमाम विवादों के बीच अगर अच्छे से पढ़कर पहला स्थान हासिल करे, तो वह वाकई अन्य विद्यार्थियों के लिए मिसाल है। क्योंकि बहुत से बच्चे सारी सुख–सुविधाओं और संसाधनों के बावजूद पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते हैं, अपनी काबिलियत का सही इस्तेमाल नहीं करते हैं। लेकिन तबस्सुम की सफलता की कहानी जिस तरह सुनाई–दिखाई जा रही है, उसे बहुत बारीकी से देखें तो कहानी के पीछे कोई और ही कहानी नजर आएगी। लगभग हर जगह यही बताया जा रहा है कि तबस्सुम ने हिजाब के ऊपर शिक्षा को चुना। तो क्या यह सवाल नहीं किया जाना चाहिए कि हिजाब और शिक्षा को एक पलड़े में रखा कैसे गया। किसने ऐसा करने दिया। किसी बच्ची को दोनों में से किसी एक को चुनना पड़े, ऐसी नौबत क्यों आई। अगर तबस्सुम में हिजाब में रहती, तो क्या उसकी मेधा पर कोई असर पड़ता। या हिजाब न पहनने के कारण उसकी बौद्धिक क्षमता इतनी बढ़ गई कि वह सीधे प्रथम स्थान पर आ गई। तबस्सुम शुरु से मेधावी और मेहनती दोनों रही होगी, तभी उसने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की। तबस्सुम के अच्छे अंक देखकर तो यह विचार भी आता है कि उसकी तरह और भी दूसरी लड़कियां ऐसी प्रतिभाशाली होंगी, लेकिन उन्होंने हिजाब और शिक्षा में हिजाब को चुना, तो वे परीक्षा ही नहीं दे पाईं। तबस्सुम का साक्षात्कार लेने वाले कई पत्रकारों ने उनसे कई सवाल किए होंगे, लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि इस्लाम का पालन करने वाली छात्राओं के सामने इस तरह विकल्प चुनने की नौबत क्यों आई। हिजाब पहनना या न पहनना किसी की व्यक्तिगत पसंद होनी चाहिए और यह पैमाना हर धर्म और हर नागरिक के लिए होना चाहिए। तभी व्यक्तिगत आजादी का अधिकार कायम रहेगा। यह सही है कि भारत धर्मनिरपेक्ष देश है और शिक्षा संस्थानों में किसी भी धर्म को बढ़ावा दिए जाने वाली गतिविधियों को करना नैतिक रूप से सही नहीं है। मगर कितने ही विद्यालयों में प्रार्थना के बाद गायत्री मंत्र उच्चारित किया जाता है। सरस्वती की मूर्ति अनेक शैक्षणिक परिसरों में है, क्योंकि उन्हें ज्ञान की देवी माना जाता है। बोर्ड के विद्यार्थियों को परीक्षा का दाखिला पत्र मिलने के वक्त यज्ञ और हवन करवाने की परिपाटी कई विद्यालयों में है। यह सब बरसों–बरस होते आया है और इस पर कोई विवाद, कोई हंगामा नहीं हुआ। क्योंकि भारत की तहजीब ऐसी ही है। मगर हिजाब पहनने पर जिस तरह का विवाद खड़ा हुआ और इस पर राजनीति हुई, उससे न जाने कितनी बच्चियों के पढ़ने और बढ़ने के सपने कुचल दिए गए हैं। तबस्सुम ने अपने सपने को बचाने के लिए अपनी हिजाब पहनने की इच्छा को छोड़ा, क्या यह सही हुआ, यह सवाल समाज को ईमानदारी से खुद से करना चाहिए। किसी भी परीक्षा में प्रथम आना मायने रखता है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात ये है कि शिक्षा के सरोकार पूरे हो रहे हैं या नहीं, हम किन मायनों में शिक्षित हो रहे हैं, शिक्षा हासिल करके हमारी सोच का दायरा व्यापक हो रहा है, या हम संकीर्ण विचारों की तंग गलियों में ही विचर रहे हैं। भारत में कबीर और रैदास जैसे संत कवियों की परंपरा रही है, जो जुलाहे या मोची का काम करते हुए अपनी उदार सोच और व्यापक दृष्टिकोण के साथ सड़ी–गली रुढ़ियों को चुनौती देते रहे। जबकि आज के हिंदुस्तान में कई नामी–गिरामी डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और अन्य उच्च शिक्षित लोग हैं, जो अब भी धर्म और जाति के नाम पर नफरत फैलाने में लगे हैं, और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जगह अंधविश्वासों को बढ़ावा देते हैं। तबस्सुम की उपलब्धि हर तरह से खास है, और यह खास बनी रहेगी, अगर अपने भावी जीवन में तबस्सुम किसी भी तरह की संकीर्णता को नकार कर उदार, प्रगतिशील सोच अपनाएंगी।

षड्यंत्र और राजनीति का हिस्सा धर्म परिवर्तन

सुप्रीम कोर्ट मानता है कि धर्म परिवर्तन एक गंभीर मुद्दा है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। धर्म परिवर्तन राजनीतिक मुद्दा है या आस्था का मामला? लोगों को जबरन धर्मांतरण, प्रलोभन या लालच आदि के प्रावधानों और तरीकों के बारे में भी शिक्षित करने की आवश्यकता है। जबरन धर्मांतरण की सजा को पहले के 10 साल से घटाकर एक से पांच साल कर दिया गया। धर्म परिवर्तन से जुड़ा विवाह अवैध है। यदि धर्मांतरण में नाबालिग, महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य शामिल है, तो कारावास दो से सात साल है। आस्था परिवर्तन हृदय का विषय है। आप राजनीतिक भाषा शैली और ऐसे प्रतीकों को अपनाकर किसी के अंतर्मन नहीं बदल सकते। गांधी जी इसी कारण धर्म परिवर्तन के विरुद्ध थे। उनका मानना था कि समाज सुधार के काम में धर्म परिवर्तन की भूमिका नहीं है। जाहिर है, धर्म परिवर्तन के पीछे दिए गए तर्कों को स्वीकार करना कठिन है। धर्म के अधिकार में धोखाधड़ी, धोखे, जबरदस्ती, लालच और अन्य तरीकों से अन्य लोगों को धर्मांतरित करने का अधिकार शामिल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक आदेश में बाधा डालने के अलावा, धोखाधड़ी या प्रेरित धर्मांतरण अंतरात्मा की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है। इसलिए, बलपूर्वक धर्मांतरण को विनियमित,प्रतिबंधित करने के लिए राज्य अपनी शक्ति के भीतर अच्छी तरह से है। भारत में, कोई भी कानून यह प्रतिबंधित नहीं करता है कि कौन से धर्म एक दूसरे में परिवर्तित हो सकते हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 सभी नागरिकों को धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें अपना धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। हालाँकि, भारत में धर्म परिवर्तन के लिए कोई कानूनी बाधाएँ नहीं हैं, लेकिन सामाजिक बाधाएँ अक्सर होती हैं। स्वतंत्रता भारतीय संविधान में परिकल्पित मौलिक अधिकार है। धर्म की स्वतंत्रता उन अधिकारों में से एक है जिन पर मौलिक स्तंभ आधारित है। भारत में, धर्म जीवन के हर पहलू में एक भूमिका निभाते हैं लेकिन साथ ही धर्म व्यक्ति के लिए है। किसी भी धर्म को दिल और पेशे से चुनना किसी भी कानून द्वारा प्रतिबंधित नहीं होना चाहिए। ऐसा कोई भी धर्मांतरण विरोधी कानून अन्यथा षकिसी भी धर्म को चुनने और मानने की स्वतंत्रताष के मूल सिद्धांत को कम कर देगा और संविधान की भावना के खिलाफ जाएगा। इसके अलावा, भारत जैसे देश में जहां धर्मनिरपेक्षता प्रस्तावना का एक तत्व है, वास्तव में जिस चीज की जरूरत है वह समाज के कमजोर और कमजोर वर्गों की रक्षा करना है, जिन्हें कभी–कभी अपना धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है। कभी–कभी लोग अपनी खुशहाली बनाए रखने के लिए सामाजिक परिस्थितियों में अपना धर्म बदल लेते हैं और अगर इस तरह के प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो यह उन पर गंभीर प्रभाव डालेगा। ऐसे कानूनों की कई कानूनी विद्वानों ने तीखी आलोचना की है जिन्होंने तर्क दिया था कि लव जिहाद की अवधारणा का कोई संवैधानिक या कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 21 की ओर इशारा किया है जो व्यक्तियों को अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने के अधिकार की गारंटी देता है। साथ ही, अनुच्छेद 25 के तहत, विवेक की स्वतंत्रता, किसी भी धर्म का पालन न करने सहित अपनी पसंद के धर्म के अभ्यास और रूपांतरण की भी गारंटी है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई निर्णयों में यह माना है कि राज्य और अदालतों के पास जीवन साथी चुनने के वयस्क के पूर्ण अधिकार पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। लिली थॉमस और सरला मुद्गल दोनों ही मामलों में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पुष्टि की है कि बिना किसी प्रामाणिक विश्वास के और कुछ कानूनी लाभ प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य के लिए किए गए धार्मिक रूपांतरण में दम नहीं है। सलामत अंसारी–प्रियंका खरवार इलाहाबाद उच्च न्यायालय 2020 का मामला एक साथी चुनने या पसंद के व्यक्ति के साथ रहने का अधिकार नागरिक के जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का हिस्सा था। मानव अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 18 में उल्लेख किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना विश्वास बदलने सहित धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार है। चूंकि यह एक राज्य का विषय है, इसलिए केंद्र अनुबंध खेती आदि पर मॉडल कानून जैसे मॉडल कानून बना सकता है। धर्मांतरण विरोधी कानून बनाते समय राज्यों को उस व्यक्ति के लिए कोई अस्पष्ट या अस्पष्ट प्रावधान नहीं रखना चाहिए जो अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन करना चाहता है। धर्मांतरण विरोधी कानूनों में अल्पसंख्यक समुदाय संस्थानों द्वारा धर्मांतरण के लिए वैध कदमों का उल्लेख करने का प्रावधान भी शामिल करने की आवश्यकता है। कोई अपनी इच्छा से किसी दूसरे धर्म को अपनाए यह उसका विषय है लेकिन सामूहिक रूप से लोगों को भड़का कर धर्म परिवर्तन को आक्रामक रैली में परिणत करना भयावह दृश्य उत्पन्न करता है। इससे समाज और देश का केवल अहित ही होगा। कुल मिलाकर यह क्षोभ और चिंता का विषय है। धर्म मानव को कर्तव्यों के द्वारा मनुष्यता के उच्चतम शिखर पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है उसे इस तरह राजनीतिक शैली की रैलियां न बनाया जाए यही सबके हित में है। वैसे आर्य समाजी राम, कृष्ण को भगवान नहीं मानते लेकिन महापुरुष मानते हैं। हमारे इतिहास के अनुसार श्री राम इच्छ्वाकू वंश की 65 वीं पीढी थे और महात्मा बुद्ध 123 वीं पीढ़ी। इस नाते वंशावली से भी राम को अपना पूर्वज मानने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। अश्वघोष ने महात्मा बुध की जीवनी लिखी है और उसमें वंशावली मिल गई तो फिर इसको अस्वीकार करने का कोई कारण नहीं। आखिर अश्वघोष बौद्ध मुनि थे। **–डॉ प्रियंका सौरभ**

आज का राशिफल

मेष :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुला :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुिष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

नितीश बाबू की विपक्षी एकता

लोकतन्त्र की मजबूती की शर्तों में एक बड़ी शर्त यह भी मानी जाती है कि इसमें विपक्ष को भी मजबूत होना चाहिए जिससे इस प्रणाली के तहत गठित हुई जनता की सरकार सर्वदा जनता के प्रति उत्तरदायी रह सके। स्वतन्त्र भारत के इतिहास में ऐसे मौके बहुत कम ही गिनाये जा सकते हैं जब विपक्ष कमजोर रहा हो वरना पहले 1952 के चुनावों से लेकर अब तक विपक्ष केवल 1984 के लोकसभा चुनावों में ही सबसे कमजोर कहा जा सकता है। जब लोकसभा की कुल 545 सीटों में केवल 514 पर ही मतदान हुआ था और कांग्रेस पार्टी को 404 सीटें प्राप्त हुई थीं (असम और पंजाब की सीटों पर तब मतदान नहीं हुआ था) जबकि 1952 में कुल लोकसभा सीटें 498 ही थीं और उनमें से कांग्रेस को 364 सीटें प्राप्त हुई थीं। वर्तमान में लोकसभा में भाजपा की 303 सीटें हैं और शेष अन्य दलों की हैं जिनमें कुछ भाजपा के सहयोगी दलों की भी हैं जिससे कुल आंकड़ा साढे तीन सौ के आसपास का बैठता है। अतः यह अवधारणा कि विपक्ष बहुत कमजोर है तर्क संगत नहीं लगता है मगर यह भी हकीकत है कि वर्तमान लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के मात्र 53 सदस्य ही हैं और शेष सदस्य अन्य सभी विपक्षी दलों के हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव आने से पहले इन सभी भाजपा विरोधी दलों को इकट्ठा करने की मुहीम पर आजकल बिहार के मुख्यमन्त्री व जनता दल (यू) के नेता श्री नीतीश कुमार देश भ्रमण पर अपने उपमुख्यमन्त्री व राष्ट्रीय जनता दल के नेता श्री तेजस्वी यादव के साथ निकले हुए हैं। विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी यह लगती है कि वह आपस में बुरी तरह बंटा हुआ है और अपने–अपने क्षेत्रीय स्वार्थ के अधीन आसक्त है। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस को छोड़ कर जितने भी प्रमुख विपक्षी दल हैं वे लगभग सभी क्षेत्रीय दल हैं और अपने–अपने राज्यों में खासे मजबूत माने जाते हैं। हालांकि नीतीश बाबू की पार्टी जनता दल (यू) भी बिहार का ही एक क्षेत्रीय दल है मगर उनका विश्वास है कि मौजूदा सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा का राष्ट्रीय विकल्प देना वर्तमान परिस्थितियों में समय की मांग है । मगर इस विकल्प की जमीन बनाने का काम कांग्रेस के नेता श्री राहुल गांधी ने अपनी चार महीने से अधिक चली 'भारत–जोड़ो यात्रा' करके ही किया। इस सत्य को भी सभी विरोधी दलों को स्वीकार करना होगा। राहुल गांधी ने इस यात्रा के दौरान भारत राष्ट्र–राज्य की परिकल्पना का जो विमर्श आम जनता में दिया उसका मूल 'विविधता में एकता' का ही था अतः नीतीश बाबू जिस विपक्षी एकता की मुहीम पर निकले हैं उसके लिए राहुल गांधी का विमर्श ही विभिन्न विचारधारा वाले राजनैतिक दलों को एक मंच पर लाने का सूत्र होगा। नीतीश बाबू की सबसे बड़ी कोशिश यह है कि ऐसी चुनावी व्यूह रचना की जाये जिससे लोकसभा की अधिसंख्य सीटों पर 2024 में भाजपा के प्रत्याशी के मुकाबले विपक्ष का एक ही साझा प्रत्याशी उतारा जाये जिससे विपक्ष की विभिन्न पार्टियों के प्रत्याशियों के बीच में भाजपा विरोधी मतों का बंटवारा होने से रोका जाये। चुनावी अंक गणित के हिसाब से यह समीकरण सही लगता है मगर राजनीति केवल अंक गणित ही नहीं होती है बल्कि वह रसायन शास्त्र (कैमिस्ट्री) होती है जिसमें विभिन्न 'द्रव्य' मिल कर एक 'भौतिक आकार' ग्रहण करते हैं। राष्ट्रीय चुनावों में सबसे बड़ा महत्व उस राजनैतिक एजेंडे का माना जाता है जिसमें मतदाता का राष्ट्रीय सरोकार उसके स्तर पर उतर कर उसे भावना से लेकर एक नागरिक के स्तर तक मिले लोकतान्त्रिक अधिकारों को प्रभावित करता है। समूचा विपक्ष यदि एकजुट होना चाहता है तो उसे सबसे पहले इसी एजेंडे के बारे में सोचना होगा और तय करना होगा कि उसके खड़े किये गये विमर्श की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता क्षेत्रीय हितों को दरकिनार करके किस प्रकार हो सकती है। राजनीति का रसायन शास्त्र यही है जिससे समूचा विपक्ष एक भौतिक आकार में दिखाई पड़ सके। नीतीश बाबू ने कोलकोता में तृणमूल कांग्रेस की सर्वेसर्वा व मुख्यमन्त्री ममता दी से भेंट करने के बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमन्त्री व समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से भी भेंट की। इन दोनों नेताओं ने ही मुलाकात के बाद एकता पर सहमति व्यक्त की मगर यह सहमति तब तक अधूरी मानी जायेगी जब तक ये दोनों नेता इस बात पर सहमत न हों कि वे अपने–अपने राज्यों में ऐसी राजनैतिक परिस्थितियों का निर्माण नहीं करेंगे जिसमें भाजपा प्रत्याशियों को अपनी जीत के लिए उनके द्वारा खड़े किये गये विमर्श पर रक्षात्मक पाले में जाकर न खड़ा होना पड़े।

जहां तक ममता दी के प. बंगाल का सवाल है तो अपने राज्य में जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बाद भाजपा को पैर जमाने देने के लिए वही जिम्मेदार हैं। यह काम वह 1999 के लोकसभा चुनावों के बाद से ही करती आ रही हैं। वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में माननीय अखिलेश यादव के पिता स्व. मुलायम सिंह यादव के जमाने से ही 1989 के बाद से राज्य में भाजपा व समाजवादी पार्टी के बीच हिन्दुत्व व मुस्लिम तुष्टीकरण के नाम पर आमने–सामने की लड़ाई होती आ रही है। बीच में मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने भी दंगल में कूद कर लड़ाई को त्रिकोणात्मक जरूर बनाया मगर अब उनके अस्तित्व पर ही संकट आ गया है परन्तु अब भाजपा के तूफान के समक्ष इन सभी पार्टियों को अपने अस्तित्व पर ही संकट आता दिखाई दे रहा है। इसकी वजह भाजपा की वह चतुर रणनीति है जिसने विभिन्न राजनैतिक दलों के जनाधार को अपने विमर्श से भीतर तक प्रभावित कर डाला है। अतः नीतीश बाबू का काम बिल्कुल वैसा ही हो सकता है जैसा कि 1974 में स्व. जय प्रकाश नारायण का था जब उन्होंने कांग्रेस की इन्दिरा गांधी सरकार के खिलाफ चौधरी चरण सिंह से लेकर मार्क्सवादी पार्टी और जनसंघ को एक मंच पर लाकर खड़ा कर दिया था।

महाराष्ट्र में पवार ने भाजपा को चिढ़ाया!

महाराष्ट्र में क्या चाचा–भतीजे या शरद और अजित पवार ने एक बार फिर भाजपा को चिढ़ाने और नीचा दिखाने का काम किया है? पवार परिवार यह काम पहले अक्टूबर 2019 में कर चुका है, जब अजित पवार ने एनसीपी का समर्थन भाजपा को दिया था और उनके दावे के आधार पर तब के राज्यपाल ने एक दिन तड़के देवेंद्र फडनवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी थी। लेकिन चार–पांच दिन में ही फडनवीस को इस्तीफा देना पड़ा था क्योंकि अजित पवार पीछे हट गए थे। बाद में फडनवीस ने कहा कि उस समय जो भी हुआ था वह शरद पवार की जानकारी में हुआ था।

तभी सवाल है कि क्या फिर वही कहानी दोहराई गई है? यह भी सवाल है कि जब भाजपा एक बार पवार चाचा–भतीजे से धोखा खा चुके थे तो फिर भरोसा क्यों किया? ध्यान रहे भाजपा के नेता पवार जूनियर का स्वागत करने को तैयार बैठे थे। भाजपा की ओर से यह कहा जाने लगा था कि अजित पवार बड़े और अनुभवी नेता हैं और अगर वे भाजपा के साथ आते हैं तो बहुत अच्छा होगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी अटकलों को खारिज करने की बजाय कहा कि राजनीति में बातचीत चलती रहती है। ऐसा लग रहा है कि मीडिया और राजनीतिक हलके में मचे चौतरफा हल्ले से भाजपा धोखा खा गई। पिछले कई दिनों से चर्चा थी कि अजित पवार एनसीपी के 40 विधायकों के साथ अलग हो रह हैं और भाजपा को समर्थन देंगे। इस प्रचार का आधार यह बनाया गया कि एकनाथ शिंदे और उनके 15 विधायकों की सदस्यता सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जा सकती है। ऐसी स्थिति में सरकार बचाए रखने के लिए अतिरिक्त मदद की जरूरत होगी। तभी कहा जा रहा था कि अजित पवार एनसीपी तोड़ कर भाजपा के साथ आ जाएंगे और भाजपा उनको मुख्यमंत्री भी बना सकती है। अगर शिंदे की सदस्यता नहीं जाती है तब अजित पवार उप मुख्यमंत्री बन सकते थे।

लेकिन अब सारा मामला खत्म हो गया है। अजित पवार ने कहा है कि वे जब तक जीवित रहेंगे, तब तक एनसीपी के लिए काम करेंगे। जानकार सूत्रों का कहना है कि उद्धव ठाकरे के साथ मिल कर शरद पवार ने इसकी योजना बनाई थी। उन्होंने भाजपा और शिंदे गुट के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने का मैसेज बनवाया। शिव सेना के कार्यकर्ताओं में यह मैसेज गया कि भाजपा को शिंदे पर भरोसा नहीं है या मौका मिले तो वह शिंदे को अलग करके दूसरे नेता की मदद ले सकती है। इससे शिव सैनिक उद्धव ठाकरे के साथ एकजुट होंगे। दूसरी ओर आम मतदाताओं में भाजपा की परेशानी का मैसेज जाएगा और यह माना जाएगा कि वह सरकार बचाए रखने के लिए किसी की मदद लेने को तैयार है।

महंत गिरीश पति त्रिपाठी का स्वागत करते व्यापारी

- तकपुरा में शिक्षकों, चिकित्सकों व छात्रों द्वारा स्वागत समारोह का हुआ आयोजन
- दर्जन भर स्थानों पर जनसम्पर्क के दौरान लोगो ने किया भाजपा प्रत्याशी का स्वागत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। व्यापार अधिकार मंच के संयोजक सुशील जायसवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाजपा प्रत्याशी महंत गिरीश पति त्रिपाठी का स्वागत किया। तकपुरा दर्शननगर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व विभिन्न शिक्षक संस्थानों के प्रबन्धक डा सर्वेश कुमार वर्मा के नेतृत्व 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। इसके साथ में दर्जन भर स्थानों पर भाजपा प्रत्याशी का स्वागत हुआ। स्वागत समारोह के कार्यक्रमों के दौरान उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने हजारों करोड़ की योजनाओं की श्रंखलाएं अयोध्या को प्रदान की है। परन्तु इस विकास में धार्मिक व आध्यात्मिकता का भी समावेश हो। सम्पूर्ण विश्व के लिए शोध का विषय अयोध्या की संस्कृति से श्रद्धालु व पर्यटक परिचित हो तथा यहां से आदर्श व मर्यादा की शिक्षा ग्रहण करके वह वापस जाय यह हमारी प्राथमिकताओं में होगा। डबल इंजन की सरकार अयोध्या का विकास कर रही है। परन्तु इस विकास को सम्बल प्रदान करने के लिए त्रिपल इंजन की सरकार की आवश्यकता है। जिसके लिए नगर निगम तथा सभी पार्षदां की ऐतिहासिक विजय होना आवश्यक है। व्यापारी नेता सुशील जायसवाल ने व्यापारियों की समस्याएं गिनाते हुए कहा कि हमारी बुनियादी जरुरतों के लिए नगर निगम का महापौर हमारें बीच का होना चाहिए। जो हमारी अपेक्षाओं को सरकार तक पहुंचाकर उसे पूरा करने का सामर्थ्य रखता है। वर्तमान में व्यापारियों की समस्याओं से भी प्रत्याशी को अवगत कराया गया है। भाजपा नेता सुप्रीत कपूर ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की वजह से आम जनता में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर भाजपा मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह, सुनील तिवारी शास्त्री, बब्लू मिश्रा, रीना द्विवेदी जानकी महल के पुजारी पंकज मिश्रा व व्यापारियों में कमल कौशल, अंजनी वर्मा, नितिन गुप्ता, नीरज जायसवाल, रत्नाकर मिश्रा, शैलेन्द्र सोनी, प्रवीण रस्तोगी, मोहित सिंह बाबी, राजेश गौड़, राजेश माखेजा, विकास जायसवाल, आकाश जायसवाल, संदीप गुप्ता, दयाल दास, रजत चौधरी, अंकित चौरसिया, विजय प्रकाश वर्मा प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। तकपुरा में स्वागत के दौरान विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रबन्धक डा सर्वेश कुमार वर्मा ने कहा कि रामनगरी अयोध्या आने पर श्रद्धालुओं के भीतर स्वतः आध्यात्मिक उर्जा का संचार हो जाता है। यहां पर्यटन के विकास हेतु अयोध्या स्थित आध्यात्मिक उर्जा के केन्द्रों का विकास व उनके बारें में वैश्विक स्तर पर लोगो को जानकारी होना चाहिए। जिसके लिए भाजपा ने इस बार महापौर प्रत्याशी के रुप में महंत गिरीश पति त्रिपाठी का चयन किया है। इस चुनाव में भाजपा बड़ी विजय की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर डा शशांक वर्मा, कृष्ण मोहन सिंह, सूर्यभान वर्मा, प्रेम मोहन सिंह, संदीप वर्मा, बृजेश वर्मा, रवि वर्मा, संजय वर्मा, मनोज वर्मा, डा आरडी वर्मा, फूलचंद वर्मा, सत्यजीत वर्मा, शैलेन्द्र, ओम प्रकाश, प्रमोद, तुलाराम वर्मा, जितेन्द्र वर्मा, राजकमल, दीपक वर्मा, कुलदीप वर्मा प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। भाजपा महापौर प्रत्याशी महंत गिरीश पति त्रिपाठी की पत्नी लक्ष्मी त्रिपाठी के नेतृत्व में वृहद स्तर पर जनसम्पर्क अभियान की शुरुवात मऊशिवाला के पास स्थित मिश्रियाना से हुई।

पुलिस गिरफ्त में साइकिल चोरी का आरोपी

मिल्कीपुर अयोध्या। आपने अभी तक बाइक चोर देखें होंगे लेकिन कुमारगंज पुलिस ने एक साइकिल चोर को पकड़ा है। इसके कब्जे से पुलिस ने दर्जनों साइकिलें बरामद की हैं। यह सभी साइकिलें महंगी हैं तथा चोर इनको सस्ते दामों पर दूसरों को बेचने की फिराक में था। आमतौर पर लोगों का ध्यान साइकिलों पर नहीं जाता है। वे उसे यूं ही खड़ी छोड़ देते हैं। यह बात अलग है कि साइकिल भले ही कितनी मंहगी को लेकिन साइकिल होने की वजह से न तो उसका कोई रजिस्ट्रेशन नंबर होता है और न ही उसकी कोई पहचान। लोग भी साइकिल को लापरवाही ढंग से खड़ी छोड़ दिया करते हैं। इसी बात का फायदा साइकिल चोर ने उठाया। उसने अभी तक 12 साइकिलें चोरी किया जाना कबूल किया है। थाना कुमारगंज पुलिस को पूछताछ में चोर ने बताया कि लोग साइकिलों को खरीद लेते हैं और उन्हें अपने घर के बारामदे या बाहर खड़ी छोड़ देते हैं। वह वहीं से उनको चुरा लेता था, तथा उनको गांवों में जाकर सस्ते दामों पर बेच दिया करता था। साइकिलों का कोई नंबर न होने से पुलिस उस पर ध्यान नहीं देती थी। दूसरी तरफ साइकिल चोरी की रिपोर्ट भी बहुत कम लिखाया करते हैं।

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर की समीझा बैठक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सीतापुर। मंत्री, पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज तथा नागरिक सुरक्षा विभाग, उ0प्र0 धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में निराश्रित गौ–आश्रय स्थल का रख–रखाव, भूसा प्रबन्धन भूसा दान, भूसा क्रय, भूसा संग्रण, पशु संचारी रोग नियंत्रण, टीकाकरण से संबंधित समीक्षा बैठक होटल ब्रम्हदीप खैराबाद में सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से भूसा के टेंडर की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने कहा कि इस समय आसानी से भूसा उपलब्ध हो जाता है तथा निराश्रित गौ–आश्रय स्थलों में समय रहते भूसे को एकत्रित कर लिया जाये। उन्होंने संबंधित को निर्देशित किया कि ब्लॉकवार भूसा को एकत्रित कर लिया जाये। ताकि मांग के अनुसार भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्रों के विभिन्न पदाधिकारियों से वार्ता कर उनको भूसादान करने हेतु प्रेरित करें। निराश्रित गौ–आश्रय स्थलों पर प्रकाश, पानी, छाया, साफ–सफाई, लू से बचाव आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जायें। ग्रामीण क्षेत्रों के परिवेश में पहले गौशाला, पाठशाला, यज्ञशाला व व्यायामशाला को प्राथमिकता दी जाती थी। उसी तर्ज पर हमें आज भी कार्य करना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निराश्रित गौ–आश्रय स्थलों में पशुओं के लिये शेड बनवा दिये जायें। उन्होंने कहा कि पशु अपना दर्द जुबान से न बोलकर अपनी ऑखों से बया करता है। इसी दर्द को हमें समझना है और साथ ही सुन्दरता एवं शक्ति का उदाहरण भी पशुओं से ही दिया जाता है। किसानों की आय दुगुनी हो इसके लिये भी पशु बहुत ही जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि गोचर भूमि पर पशुओं के लिये चारा लगवाया जाये, जिससे उनको पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उपलब्ध हो सके। सभी निराश्रित गौ–आश्रय स्थलों को व्यवस्थित रखा जाये तथा वहां पर केयरटेकर भी रखा जाये जो पशुओं की देखभाल करता रहे। केयरटेकर को मिलने वाले मानदेय की भी जानकारी ली। मंत्री ने संचारी रोग एवं टीकाकरण में हो रहे कार्यों की स्थिति की भी जानकारी ली। गलाघोटू के टीकाकरण की जानकारी लेते हुये निर्देश दिये कि बरसात होने से पहले सभी पशुओं को टीकाकरण अवश्य हो जाये, यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने बकरी पालन, मुर्गी पालन, सूअर पालन के लिये किसानों को प्रेरित किया जाये। कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी ली। निराश्रित गौ–आश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश की जाये। इसके लिये सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

संक्षिप्त खबरे

टॉप 10 में अमित कुमार गुप्ता ने दसवां स्थान प्राप्त कर जिले का नाम किया रोशन

हरदोई। यूपी बोर्ड हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2023 में रफी अहमद किदवई इंटर कॉलेज के छात्र अमित कुमार गुप्ता ने इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग में जिले की टॉप टेन सूची में दसवां स्थान प्राप्त कर कालेज और जिले का गौरव बढ़ाया है। इस छात्र ने 93.2: अंक पाकर कई विषयों में अच्छे अंक हासिल किए हैं। इस बार हाई स्कूल में 92: परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। जबकि इंटरमीडिएट का 70: रहा है जिसमें अधिकांश परीक्षार्थी सम्मान सहित परीक्षा उत्तीर्ण हुए हैं। कालेज के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य डॉ अमित कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि इस वर्ष यूपी बोर्ड की परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी एवं शासन की बेहद सख्ती के साथ हुई थी ,कॉलेज की गुणवत्ता एवं संस्कारित पढ़ाई एवं शिक्षकों की मेहनत और अनुशासन के चलते बीते एक दशक के रिजल्ट की तरह इस वर्ष का भी परीक्षाफल सर्वोत्तम रहा। उन्होंने बताया कि हाई स्कूल ,इंटरमीडिएट कलाधविज्ञानध व्यावसायिक वर्ग में भी कई परीक्षार्थी सम्मान उत्तीर्ण हुए हैं। विज्ञान वर्ग में अमन,अजीत शर्मा, आर्यन शुक्ला, परमजीत राठौड़, सिद्धार्थ,अंश ने सर्वाधिक अंक हासिल किए हैं,वहीं व्यवसायिक वर्ग में आदर्श शर्मा, विशाल गुप्ता, तनिष्क गुप्ता ने विद्यालय में सर्वाधिक अंक हासिल किए हैं। मालूम हो कि बीते कई वर्षों में कॉलेज का परीक्षा फल उत्कृष्ट रहा है इसके लिए कई बार माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के सभापति एवं सचिव की ओर से उत्कृष्ट श्रेणी ष्एक्षा दक्षता प्रमाण पत्र देकर बधाई प्रेषित कर चुके हैं। प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गये एडीओ पंचायत मवई

रुदौली–अयोध्या। एंटी करप्शन ब्यूरो गोरखपुर की टीम ने बुधवार की दोपहर एडीओ पंचायत मवई रविन्द्र कुमार को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ धर दबोचा। एडीओ पंचायत ने कामन सर्विस सेंटर के लिए आई धनराशि के भुगतान के लिए ग्राम प्रधान से रकम मांगी थी। टीम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ब्लॉक क्षेत्र के अशरफनगर गांव में कॉमन सेंटर बनना है। जिसके लिए ग्रामनिधि के खाते में लगभग 4 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत हो कर आई है। उक्त धनराशि में एडीओ पंचायत द्वारा बतौर रिश्वत के रूप में 20 हजार रुपये की डिमांड की गई । ग्राम प्रधान द्वारा पूरे मामले की शिकायत एंटी करप्शन से कर मामले से अवगत कराया। गुरुवार को ग्राम प्रधान द्वारा ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर जैसे ही एडीओ पंचायत को 20 हजार रुपये की रिश्वत दी। इसी दौरान टीम मौके पर पहुंची और रिश्वत लेने के आरोपी एडीओ पंचायत रविन्द्र कुमार को रंगे हाथ पकड़ लिया। इंस्पेक्टर संजय कुमार मिश्र ने बताया कि 20 हजार की रिश्वत लेते हिरासत में लिए गए एडीओ पंचायत मवई के खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है।

अभिलेखों में हेराफेरी कर बेंच दी भाई की जमीन

बीकापुर–अयोध्या। राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी करके एक भाई द्वारा दूसरे भाई की जमीन बेचने का मामला प्रकाश में आया है। जालसाजी करके भाई की जमीन बेचने की शिकायत पीड़ित भाई द्वारा तहसीलदार तथा पुलिस में की गई है। मामला मिल्कीपुर तहसील के आदिल पुर गांव से संबंधित बताया गया है। जहां पर स्थित गाटा संख्या 2401 जिसका रकबा अभिलेखों में करीब 4 बीघे है जो अभिलेखों में प्रेम शंकर तथा रामकिशोर के नाम संयुक्त रूप से दर्ज है। रामकिशोर ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2014 में उनके भाई प्रेम शंकर द्वारा अपने अंश का 2 बीघे जमीन बेच दी गई थी किंतु खतौनी के कालम में नाम होने के चलते तथ्यों को छुपाकर अवशेष जमीन में कोई अंश ना होने के बावजूद भी प्रेम शंकर द्वारा शेष 2 बीघे जमीन का आधा अंश एक बीघे पुनः जालसाजी करके 18 अप्रैल 2023 को बेंच दिया गया। जिसकी सूचना मिलने के बाद खरीद–फरोख्त की इस जालसाजी की घटना का पर्दाफाश हुआ तथा पीड़ित राम किशोर के पुत्र सत्येंद्र तिवारी द्वारा तहसीलदार के न्यायालय तथा पुलिस में शिकायत करके कार्रवाई की मांग की गई है। फिलहाल जालसाजी के जरिए बेची गई जमीन का मामला प्रकाश में आने के बाद आदिल पुर गांव में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बीकापुर–अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के बड़की मठिया सोहन सलोनी निवासी भग्गूलाल की 20 वर्षीय पुत्री नंदिनी ने बुधवार को दोपहर में घर के अंदर दुपट्टे के सहारे फांसी लगाने की जानकारी परिजनों को होने पर सीएचसी बीकापुर उपचार के लिए लाया गया जहां इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों ने जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया। जिसकी जानकारी बीकापुर कोतवाली को होने पर स्थानीय पुलिस लाश कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

कानपुर। कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र में वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। युवक बाइक से जाजमऊ हाईवे से उन्नाव जा रहा था, तभी तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। लोगों ने बताया कि वाहन काफी तेज था और टक्कर मारते हुए निकल गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस कुछ ही देर में मौके पर पहुंची। शव की शिनाख्त के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। शहर के विजयनगर निवासी कमलेश प्रसाद (26) बाइक से उन्नाव जा रहे थे। जाजमऊ हाईवे पर किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही कमलेश की मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के बाद पुलिस को मालूम पड़ा कि युवक विजय नगर का रहने वाला है। युवक के पास मिले मोबाइल के जरिए परिजनों को सूचना दी गई। जाजमऊ थाना प्रभारी ने बताया मृतक के पिता दुखहरण ने बताया है कि युवक विजयनगर से उन्नाव के लिए निकला था।

साइबर सेल द्वारा वापस करायी गयी रकम के साथ युवक

- फोनपे वेरिफिकेशन के नाम पर निकाल लिए थे 14881 रूपये
- पीड़ित की शिकायत पर साइबर सेल ने कराया वापस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। जिले के हैदरगंज थाना क्षेत्र निवासी एक शख्स से निजी पेमेंट बैंक का अधिकारी बन फोन कर फोनपे वेरिफिकेशन के नाम पर लगभग चार माह पूर्व खाते से 14881 रुपये निकाल लिए। शिकायत के बाद जिले की साइबर सेल ने रकम वापस करवा दी। साथ ही ऑनलाइन फ्राड से बचने के लिए हिदायत जारी की है। हैदरगंज थाना क्षेत्र के थरियांकला निवासी अभिषेक कुमार ने 29 दिसंबर 2022 को एसएसपी मुनिराज जी को शिकायत दी थी कि एक शख्स ने खुद को एयरटेल पेमेंट बैंक का अधिकारी बनकर कॉल किया और फोन पे के वेरिफिकेशन के नाम पर ओटीपी पूंछकर बैंक खाते से 14881 रुपये निकाल लिए। एसएसपी ने कार्रवाई के लिए प्रकरण साइबर सेल के हवाले किया। बुधवार को साइबर सेल के प्रभारी निरीक्षक मनबोध तिवारी ने बताया कि धोखाधड़ी कर खाते से निकाले गये 14881 रूपये पीड़ित के खाते में वापस कराया गया है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन फ्राड से बचने के लिए ध्यान रखें कि कोई बैंक कर्मचारी–अधिकारी कभी भी फोन पर बैंक डिटेल्स नहीं मांगता। किसी भी तरह के ऑफर–लॉटरी के नाम पर लालच–झांसे में न आएं और न ही ऑफर से संबंधित किसी भी लिंक पर क्लिक करें। किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना खाता, एटीएम नंबर न बताएं और बहकावे में न आएं। एटीएम के इस्तेमाल में किसी अजनबी की मदद न लें। किसी को भी अपना बैंक डिटेल न बताएं एवं इंटरनेट बैंकिंग व बैंकिग ट्रांजिक्शन के लिए सार्वजनिक स्थान जैसे साइबर कैफे, पार्क, मीटिंग और भीड़–भाड़ वाले स्थान से बचें। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के लिए मजबूत पासवर्ड चुने, क्रेडिट कार्ड से संबंधित किसी काल पर कोई जानकारी न दें तथा अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट को स्वीकार न करें। आधार कार्ड का दुरूपयोग रोकने के लिए किसी को फिंगर प्रिंट न दें। बिजली बिल, कनेक्शन कटने, आकर्षक गिफ्ट या इनाम संबंधी मैसेज पर रिस्पांस न करें और पर्सनल जानकारी का खुलासा न करें। हेल्प लाइन अथवा कस्टमर केयर के लिए गूगल के का इस्तेमाल बल्कि बैंक अथवा संस्था के अधिकृत नंबरो पर ही काल करें। साथ ही साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। एसएसपी ने कार्रवाई के लिए प्रकरण साइबर सेल के हवाले किया। बुधवार को साइबर सेल के प्रभारी निरीक्षक मनबोध तिवारी ने बताया कि धोखाधड़ी कर खाते से निकाले गये 14881 रूपये पीड़ित के खाते में वापस कराया गया है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन फ्राड से बचने के लिए ध्यान रखें कि कोई बैंक कर्मचारी–अधिकारी कभी भी फोन पर बैंक डिटेल्स नहीं मांगता।

किसी भी तरह के ऑफर–लॉटरी के नाम पर लालच–झांसे में न आएं और न ही ऑफर से संबंधित किसी भी लिंक पर क्लिक करें। किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना खाता, एटीएम नंबर न बताएं और बहकावे में न आएं। एटीएम के इस्तेमाल में किसी अजनबी की मदद न लें। किसी को भी अपना बैंक डिटेल न बताएं एवं इंटरनेट बैंकिंग व बैंकिग ट्रांजिक्शन के लिए सार्वजनिक स्थान जैसे साइबर कैफे, पार्क, मीटिंग और भीड़–भाड़ वाले स्थान से बचें।

खनन माफियाओं के हौसले बुलंद

हरपालपुर, हरदोई। अरवल और हरपालपुर थाना क्षेत्र ने अवैध मिट्टी खनन का कारोबार जामकर फल फूल रहा है। जिससे खनन माफियाओं के द्वारा अरवल और हरपालपुर पुलिस को चढ़ाया जाता है। चढ़ावा जिससे उन्हें काला कारोबार करने की अनुमति मिल जाती है। कटियारी क्षेत्र चॉऊपुर बेहटा रम्पुरा भूपति नगरा हरपालपुर कस्बा समेत दर्जनों गांव में बड़े पैमाने पर अवैध रुप से मिट्टी खनन का कारोबार हो रहा है। गेहूं की कटाई के बाद यहां पर खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हो जाते हैं। आधुनिक मशीनों के द्वारा धरती का सीना चीर कर मोटी कमाई करने में खनन माफिया जुट जाते हैं। खनन माफियाओं के लिए कहा जाए तो मार्च महा से वर्ष की जब तक शुरुआत नही होती है। तब तक काला कारोबार चलता रहता है। क्योंकि गेहूं की कटाई के बाद सभी खेत खाली हो जाते हैं। जिससे उन्हें आधुनिक मशीनों से खनन करने में किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ता है पहले तो हरदोई जनपद में संडीला को मिट्टी खनन के बारे में हम कहा जाता था लेकिन अब हरपालपुर और अरवल को भी मिट्टी खनन का हाल माना जाता है। सूत्रों की माने तो जिससे अरवल और हरपालपुर पुलिस खनन माफियाओं से मोटी रकम लेकर रात के अंधेरे से लेकर दिन के उजाले में भी खनन कराने की अनुमति दे देती है वैसे तो खनन अधिकारी एवं तहसील के उप जिला अधिकारी से खनन के लिए अनुमति लेना आवश्यक होता है लेकिन इन माफियाओं के ऊपर स्थानीय पुलिस का पंजा होने के चलते इन्हें किसी भी तरह की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि यहां खनन कराने के लिए स्थानीय पुलिस को मोटी रकम झुकाते हैं यहां तक की जिस क्षेत्र में यह खनन कर आते हैं वहां के वीट सिपाही से लेकर सभी कोतवाली एवं थाने के अधिकारियों को भी चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है वही खनन माफियाओं के हौसले इसलिए भी बुलंद होते हैं कि पुलिस से लेकर प्रशासनिक अधिकारी भी इन पर कार्रवाई करने से कहीं ना कहीं बसते रहते हैं। अब देखना यह होगा कि इस वर्ष अरवल और हरपालपुर पुलिस किस प्रकार से खनन माफियाओं को संरक्षण देती है।

फंदे से लटकता मिला अधेड़ का शव

राही,रायबरेली। भदोखर थाना क्षेत्र के पूरे अरवार मजरे बेलाघुसीसी गांव में 50 वर्षीय व्यक्ति का संदिग्ध परिस्थितियों में शव फंदे से लटकता मिलने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। बुधवार की सुबह शौच के लिए निकले ग्रामीणों ने संदिग्ध परिस्थितियों में नीम के पेड़ के सहारे केविल से शिव बहादुर 50 वर्ष पुत्र राजा राम का लटकता शव मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार मृतक प्रतिदिन की तरह खाना खाकर घर से लगभग 50 मीटर की दूरी पर खेत में रोज की तरह सोने के लिए चला गया था। सुबह ग्रामीणों ने देखा तो अधेड़ व्यक्ति का शव नीम के पेड़ से लटक रहा था। जिसकी खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों का भारी भारी जमावड़ा लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एस ओ राजेश कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रेमी महिला तथा पुरुष ने फांसी लगाकर दी जान

हरगांव (सीतापुर)। थाना हरगांव क्षेत्र में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया। जब एक प्रेमी महिला तथा पुरुष के शव गांव के बाहर पाए गये। प्रेमी पुरुष का शव जहां पेड़ से लटका हुआ पाया गया तो वहीं महिला प्रेमी का शव उसी पेड़ के नीचे जमीन पर पड़ा हुआ पाया गया। जानकारी पाते ही एएसपी उत्तरी श्री प्रकाश सिंह तथा सीओ सदर राजू कुमार साव समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर जा पहुंचा। शवों को नीचे उतार मामले की पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। वहीं मृतक पुरुष के पुत्र ने दोनों के आत्महत्या की तहरीर दी है। जानकारी के तहत थाना हरगांव क्षेत्र के हरदासपुर का रहने वाला विनोद पुत्र ओमप्रकाश तथा पास के ही मकान की रहने वाली अनीता 35 वर्ष पत्नी वीर अभिमन्यु के बीच बीते कई वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया जाता है कि गत दिवस विनोद अपनी बाइक से अनीता को ले जाकर डॉक्टर के यहां दिखाया था और वहां से वापस आकर उसने घर में बाइक खड़ी कर दी और फिर लापता हो गया। बुधवार की सुबह विनोद का शव गांव के बाहर एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया। जबकि ठीक उसी पेड़ के नीचे अनीता का शव जमीन पर पड़ा हुआ मिला है। लोगों में इनके प्रेम प्रसंग की चर्चा भी की गई है। बताया जाता है कि अनीता के पति वीर अभिमन्यु की 3 वर्ष पूर्व मौत हो गई थी और उसके बाद से अनीता के संबंध पास के ही रहने वाले विनोद से हो गए थे। जिसके बारे में सभी लोगों को जानकारी थी। लोगों की माने तो विनोद के 2 पुत्र हैं तथा अनीता के 2 पुत्र व एक पुत्री है। जानकारी पाकर मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल व अधिकारी पहुंचे। शवों को नीचे उतरा और पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। वहीं विनोद के पुत्र शिवम ने तहरीर दी है। जिसमें उसने कहा है कि दोनों ने आत्महत्या की है। वहीं पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

निकाय चुनाव के नामांकन पत्रों की जांच में सपा,आप समेत पांच पार्षद प्रत्याशियों के नामांकन खारिज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। निकाय चुनाव के नामांकन पत्रों की जांच में सपा, आप समेत पांच पार्षद प्रत्याशियों के नामांकन खारिज हो गए। सपा प्रत्याशी जाति प्रमाण–पत्र नहीं दे सके। आप के उम्मीदवार ने नगर निगम, जलकल और केस्को की एनओसी नहीं दाखिल की थी। तीन निर्दलीय प्रत्याशियों के भी नामांकन खारिज हुए हैं। अब जनपद में 1275 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। नगर निगम महापौर पद पर 13 और पार्षद पद पर 941 प्रत्याशी मैदान में हैं। नगर निगम,घाटमपुर और बिल्हौर तहसील में नामांकन पत्रों की जांच को लेकर देर रात तक मंथन चला। अब गुरुवार को नाम वापसी होगी। महापौर के सभी नामांकन ठीक पाए गए नामांकन जांच के दौरान कई पार्षदों की आपत्तियों की सुनवाई करके उसे निस्तारित किया गया। कई प्रत्याशियों के समर्थकों ने आपत्ति दाखिल की। वार्ड–30 से सपा प्रत्याशी बदलने के बावजूद उसे सिंबल दाखिल करने के लिए न जाने देने का आरोप लगाया। महापौर के सभी प्रत्याशियों के नामांकन ठीक पाए गए। नगर पालिका परिषद बिल्हौर,घाटमपुर और नगर पंचायत शिवराजपुर व बिठूर में एक भी नामांकन निरस्त नहीं हुए। जांच के दौरान उम्मीदवारों के सभी नामांकन पत्र सही पाए गए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि जिले में पांच पार्षद उम्मीदवारों के नामांकन निरस्त हुए हैं। महापौर में यह प्रत्याशी मैदान में आशनी विकास अवस्थी कांग्रेस, वंदना बाजपेयी सपा, प्रमिला पांडेय भाजपा अर्चना निषाद बसपा, इस्मा जहीर आम आदमी पार्टी, शहाना परवीन एआईएमआईएम,सोनी इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग,बीना देवी जन अधिकार पार्टी, निर्दलीय अनीता देवी,दरकशा,देवकी कुशवाहा व रानी।

जानकीपुरम में युवक को दिनदहाड़े मारी गोली, हालत गंभीर

- आरोपी फरार, पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें की गठित
- नैनो कार चालक के साथ आये साथियों ने मामूली विवाद में मारी गोली

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । राजधानी के जानकीपुरम में नैनो कार चालक महिला के साथ आये साथियों ने मामूली सी विवाद में एक राहगीर युवक को दिनदहाड़े गोली मार दी। गोली लगते ही युवक जमीन पर गिर गया। उधर दिनदहाड़े गोली मारने की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और घटना स्थल के आसपास रहने वाले लोग सहम गए। गोली मारने के बाद महिला अपने साथियों के साथ फरार हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को आनन–फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि युवक को एक गोली कमर से नीचे लगी है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने गोली मारने वाले आरोपियों और महिला की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें लगाकर जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस उपायुक्त उत्तरी एसएम कासिम आब्दी ने बताया कि बुधवार की दोपहर साढ़े चार बजे के आसपास जानकीपुरम सेक्टर आठ में एक गोली चलने की सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद तत्काल पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचती है तो पता चलता है कि एक अंकित चौहान निवासी रैठारोड छठामिल उम्र 32 को एक गोली लगी है। इसको तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया जाता है। जहां पर उपचार कर रहे डॉक्टर ने बताया कि अंकित चौहान को एक गोली कमर से नीचे लगी है और खतरे से बाहर है। पुलिस की छानबीन में पता चला कि एक महिला नैनो कार चला रही थी, उसके साथ एक अन्य साथी भी था। इस नैनो कार से एक साईकिल सवार को टक्कर लग गई तो साइकिल सवार और महिला में बहस हो गई। इस दौरान पास में खड़े अंकित चौहान ने इसका विरोध किया तो महिला के साथ खड़ा साथी ने अपने दो साथियों को बुलाया। इसके बाद उसके बाद आये दो साथियों में से एक साथी ने अंकित चौहान को गोली मार दी। इसके बाद महिला और उसके अन्य दो साथी मौके से फरार हो गए। नैनो कार का नंबर पुलिस ट्रैस करने का प्रयास कर रही है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी की भी जांच की जा रही है कि वारदात करने के बाद महिला और उसके साथी किस तरफ गए। इस पूरी घटना का पर्दाफास करने के लिए चार टीमे लगा दी गई है। घटना स्थल का निरीक्षण किया गया है।

बच्चे को भुखमरी से बचाने की मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

लखनऊ। पूर्ववर्ती उप्र राज्य विद्युत परिषद के सेवानिवृत्त कार्मिक जिसके विरूद्ध विभागीय देनदारी के कारण मार्च–2019 से रोकी गयी पेंशन का कोई समाधान 04 वर्षों के बाद भी यथावत है, जिससे जीवन यापन में भयंकर कठिनाई उत्पन्न हो रही है। इस सम्बन्ध में बुधवार को परिषद के कार्यालय पर जानकारी देते हुए विद्युत पेंशनर्स परिषद उप्र के अध्यक्ष जगमोहन लाल एवं महामंत्री कप्तान सिंह ने बताया कि उप्र पावर कारपोरेशन लिमिटेड, शक्ति भवन द्वारा अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं विशेष सचिव वित्त, उप्र शासन को भेजे गये प्रस्ताव में सरकारी,विभागीय रिकवरी रोकी गयी पेंशन ,ग्रेच्युटी से कोषागार से कराते हुए पेंशन जारी करने एवं दिवंगत सेवानिवृत्त कर्मियों के आश्रित पुत्रों व पुत्री को शेष देय धनराशि का भुगतान करने के साथ ही साथ रिकवर की गयी धनराशि को उप्र पावर कारपोरेशन लिमिटेड शक्ति भवन के खाते में हस्तान्तरण कराने का अनुरोध किया गया है।

पीड़िता ने प्रभारी निरीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

मिश्रिख (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम संजराबाद निवासिनी लाजिमा पुत्री रामहेत पत्नी शोभित ने प्रभारी निरीक्षक को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसकी सादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार बीते साल 4 वर्ष पहले ग्राम भगौतीपुर थाना खैराबाद निवासी शोभित पुत्र गुड्डू के साथ हुई थी। पीड़िता के पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज में सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, बेड बक्सा, अलमारी, कपड़ा, सोने की चौन आदि लगभग 4 लाख रुपये का दान दहेज दिया था। सादी के दौरान पीड़िता के एक 3 वर्ष का पुत्र भी है। परंतु ससुराली जन दिए गए दहेज से संतुष्ट नहीं थे। वह अतिरिक्त दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल की बराबर मांग कर रहे थे। पीड़िता के पिता द्वारा असमर्थता जताने पर आए दिन उसको मारपीट कर प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता के पिता द्वारा उसके यहां जाकर कई बार समझाया भी गया। 25 अप्रैल को शाम 8 बजे पति शोभित, ससुर गुड्डू, सास किरन, नंद ज्योती, ननदोई बृजेश पीड़िता से मायके जाकर बुलेट मोटर साइकिल लेकर आने का दबाव बनाने लगे। पीड़िता द्वारा इंकार करने पर सभी लोगों ने एक राय होकर उसको लात घूसों से जमकर मारा पीटा तथा पति शोभित जान से मारने की नियत से उसके सिर पर बांके से वार कर दिया। परन्तु बांका किसी तरह उल्टा लगा। जिससे पीड़िता के सिर में गहरी चोट आई है। वह जान बचाने हेतु पड़ोसी भल्लू के घर घुस गई। जिससे उसकी जान बच सकी। गांव के प्रकाश पुत्र हेमराज ने पीड़िता के माइके वालों को फोन करके सूचना दी। पीड़िता का आरोप है के ससुराली जन दहेज के लालच में उसको किसी भी समय जान माल की हानि पहुंचा सकते हैं। इसलिए पीड़िता अपने माइके संजराबाद चली आई है। यहां आकर उसने मामले की तहरीर प्रभारी निरीक्षक मिश्रिख को दी थी। घटना थाना खैराबाद की होने के कारण प्रभारी निरीक्षक ने शिकायती पत्र थाना खैराबाद को जांच के लिए भेज दिया हैं।

सरल विधा में लिखी जाए स्व अध्ययन सामग्रीः प्रो. आशुतोष गुप्ता

मुविवि में दूरस्थ शिक्षा एवं स्व-अध्ययन सामग्री विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। स्व अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षा का अभिन्न अंग है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में छात्रों के सामने शिक्षक नहीं होते। पाठ्य सामग्री ही छात्रों के सामने शिक्षक के रूप में होती है। ऐसी स्थिति में स्व अध्ययन सामग्री को सरल विधा में लिखा जाना चाहिए जिससे वह शिक्षार्थियों के समझ में आ सके और उनका ज्ञानार्जन कर सके। उक्त उद्गार प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा एवं निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र सीका ने मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं में नवनियुक्त सहायक आचार्यों (संविदा) को स्व-अध्ययन सामग्री के लेखन कार्य के सम्बन्ध में बुधवार को दूरस्थ शिक्षा एवं स्व-अध्ययन सामग्री विकास विषय पर आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए।
प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि पाठ्य सामग्री लेखन का कार्य अपने विषय में दक्ष शिक्षक ही कर सकते हैं। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में सभी नवनियुक्त शिक्षकों को लेखन सामग्री निर्माण में अपनी प्रतिभा एवं क्षमता विकसित करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है।
आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र के तत्वावधान में लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा एवं उप निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केंद्र ने कहा कि पाठ्य सामग्री ही एक ऐसा माध्यम है जिसमें छात्र दूर होते हुए भी हमारे पास रहता है। यह हमारे ज्ञान एवं कौशल पर निर्भर करता है कि हम छात्र को कितनी गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री तैयार करके देते हैं। पाठ्य सामग्री में ही शिक्षक का चेहरा छुपा होता है।
प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, सह आचार्य, व्यवसाय प्रबंधन ने स्व-अध्ययन सामग्री विकास के विभिन्न चरणों को क्रमशः पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित कर नव नियुक्त सहायक आचार्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उपस्थित सहायक आचार्यों को क्रमशः 8 समूह में रखकर इकाई विकसित करने का अभ्यास कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ गौरव संकल्प ने किया।

वकील ने दाखिल की मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमे की अर्जी

प्रयागराज। दो माह पहले हिंदी दैनिक अखबार में छपे मुख्यमंत्री के वक्तव्य से क्षुब्ध होकर जिला अदालत के एक अधिवक्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मुकदमे की अर्जी दाखिल की है। जिस पर प्रभारी स्पेशल सीजीएम डॉक्टर लकी ने क्षेत्राधिकार के सुनवाई के लिए 29 अप्रैल की तारीख मुकर्रर की है। उक्त अदालत में अधिवक्ता आजम राईन ने सीएम के खिलाफ मुकदमे की अर्जी दाखिल कर आरोप लगाया है कि 16 फरवरी 23 को हिंदी दैनिक समाचार पत्र हिंदुस्तान व अमर उजाला में मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया वक्तव्य (भारत हिंदू राष्ट्र है और यहां का हर नागरिक हिंदू है) भारतीय संविधान के प्रस्तावना में उल्लेखित धर्मनिरपेक्ष शब्द का पूरी तरह उल्लंघन करता है एवं भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 295 (क) एवं 298 व 505(2) को आकर्षित कर रहा है। जो संज्ञेय अपराध है तथा दंडनीय है। इस लिए प्रार्थी उक्त मामले में अर्जी दे रहा है। जो न्यायालय द्वारा विचार योग्य है। अधिवक्ता का कहना है कि वह मुस्लिम है और इस्लाम धर्म का अनुयाई है तथा मुख्यमंत्री द्वारा भारत के सभी नागरिकों को हिंदू घोषित करने का कोई अधिकार नहीं है तथा उक्त वक्तव्य विधि विरुद्ध है और दंडनीय है।

कमला स्मारक बलापुर कि छात्रा राखी ने जिले में प्राप्त किया आठवां स्थान

पआईएएस अफसर बनने का है सपना

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में जिले में आठवां स्थान प्राप्त करने वाली कमला स्मारक इंटर कॉलेज नैनी के बलापुर निवासी राखी गुप्ता आईएएस बनकर देश की सेवा करना चाहती हैं। छात्रा राखी गुप्ता ने 95.5ः फीसदी अंक हासिल किए। सोशल मीडिया के इस दौर में राखी इसके सभी प्लेटफार्म से दूर है। इन सब में महत्वपूर्ण बात यह है कि राखी कभी कोचिंग व ट्यूशन नहीं पढ़ी।
वह कहती है विद्यालय में अध्यापक द्वारा पढ़ाई गई बातों को स्वाध्याय से बेहतर कुछ नहीं है। राखी ने प्रतिदिन 5 से 7 घंटे पढ़ाई कर यह मुकाम हासिल किया। राखी ने यह मुकाम हासिल करने का श्रेय अपने माता पिता के साथ विद्यालय के अध्यापकों को दिया। राखी को चेस खेलना बहुत पसंद है। राखी ने बताया कि उनके पिता संजय कुमार गुप्ता एक मध्यम वर्गीय परिवार से हैं। पेशे से एक डॉक्टर हैं जो गांव में ही क्लीनिक खोलकर गांव के बीमार लोगों की सेवा करते हैं और मां रीता देवी गृहणी है।

इसी तरह कमला स्मारक इंटर कॉलेज की अंजली सिंह को 94.3ः, राशि यादव 94ः, श्रीजल पांडे 93.9ः, नंदू पांडे 92.6 ः, सपना आदिवासी 92.4ः, मौसम द्विवेदी 91.1ः, सोनाली पटेल 89.5 ः,अमन विश्वकर्मा 87.9ः, रूपा विश्वकर्मा87.2ः, धीरज प्रजापति 87.9ः, और अंजू भारतीय को 85.9ः,अंक प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार इंटरमीडिएट परीक्षा में मुस्कान विश्वकर्मा को 87.4ः, शुभम सिंह को 85.8ः, शिखा कुशवाहा को 85.4ः, प्रभा को 82.8ः, तथा सावन कुशवाह को 81.6ः, अंक प्राप्त हुए
विद्यालय की प्रधानाचार्य अल्का विश्वकर्मा ने विद्यालय का नाम रोशन करने पर राखी को ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए बताया कि राखी बहुत ही होनहार छात्रा है। वह हमारे विद्यालय में शिशु से पढ़ रही है और हमेशा क्लास में अव्वल आती रही है। दसवीं में आज जिले में आठवां स्थान प्राप्त कर हमारे विद्यालय कमला स्मारक इंटर कॉलेज बलापुर का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रबंधक अनिल विश्वकर्मा ने जिले में आठवां स्थान प्राप्त करने और विद्यालय का नाम रोशन करने पर राखी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय के समस्त स्टाफ ने कड़ी मेहनत कर बच्चों को अच्छी पढ़ाई और तालीम दी जिसके वजह से बच्चे अच्छी रैंक ला कर जिले में स्थान प्राप्त कर सके।

संक्षिप्त खबरे

सपा के मेयर प्रत्याशी अजय कुमार श्रीवास्तव ने किया जनसम्पर्क, माँगा जन समर्थन

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी से मेयर प्रत्याशी अजय कुमार श्रीवास्तव ने आज नैनी क्षेत्र के चक रघुनाथ, टेढ़ूवान, नीवी खुर्द, नैनी दादरी, बसवार, चाका, दामूपुर, चक निरातुल आदि क्षेत्रों में व्यापक जनसम्पर्क कर समर्थन की अपील की। अजय श्रीवास्तव ने शहर से जुड़े नये क्षेत्रों में जन सुविधाओं को प्राथमिकता के तौर पर उपलब्ध कराने का वादा दोहराते हुए कहा कि विकाश कार्य को लेकर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा।प्रत्याशी की पत्नी श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव ने राज रूप पुर, चौक गंगा दास, मलाकराज, मोहत्सिम गंज आदि क्षेत्रों में भ्रमण कर सपा प्रतायशियों को जिताने की अपील की। जनसम्पर्क के दौरान प्रमुख रूप से पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना, अमर नाथ मौर्य, राजू पासी, कमला यादव, पदमा यादव, नाटे चौधरी, संतोष हेला, सचिन श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, आदि मौजूद रहे।

सपा की चुनाव संचालन की बनी रणनीति, बांटी गई जिम्मेदारी

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पार्टी के लखनऊ कार्यालय में निर्वाचन का प्रभार संभाले के के श्रीवास्तव मंगलवार की देर रात शहरमें अपने आवास पर पहुंचे।आज समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में जिम्मेदारी पदाधिकारियों, नेताओं की बैठक कर अब तक की तैयारियों की समीक्षा करते हुए भावी रणनीति पर चर्चा की। के के श्रीवास्तव प्रयागराज महानगर के अध्यक्ष एवं पार्षद भी रह चुके हैं। उनके अनुभव का लाभ पार्टी को प्रयागराज में मिलेगा ऐसा माना जा रहा है।बैठक में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, मेयर प्रत्याशी अजय श्रीवास्तव, राम सुमेर पाल, जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार कुलदीप यादव, विधायक संदीप यादव, पूर्व मंत्री लल्लन राय, पूर्व प्रवक्ता दान बहादुर मधुर, रविन्द्र यादव एडवोकेट, गोपाल जी श्रीवास्तव, अमर सिंह, मो गौस, सुभाष यादव, मयंक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

विनय कुशवाहा सहित सपा की 45 सदस्यीय चुनाव संचालन समिति धोषित

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज नगर निगम चुनाव को गम्भीरता से लेते हुए प्रयागराज समाजवादी पार्टी के सिनियर नेताओं कि 45 सदस्यीय चुनाव संचालन समिति का गठन किया है। पूर्व प्रदेश प्रवक्ता विनय कुशवाहा ने बताया कि समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पत्र जारी किया है।

आप ने झोंकी ताकत, कादिर ने मांगा समर्थन

प्रयागराज। आम आदमी पार्टी (आप) के महापौर पद के प्रत्याशी कादिर भाई जहां प्रचार अभियान के क्र्रम में घर घर जा रहे हैं वहीं पार्टी ने इस चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी है। यहां टीम बनाकर कर मोहल्ले में लोग न केवल प्रचार कर रहे हैं वहीं पार्टी की नीति और निगम में चुने जाने के बाद का प्लान भी बता रहे हैं।आप प्रत्याशी और व्यापारी नेता कादिर भाई अपने सिविल लाइंस स्थित कार्यालय से प्रचार के क्रम में समर्थकों के साथ निकले। कादिर भाई समर्थकों के साथ गऊघाट, सब्जी मंडी, फूलमंडी नैनी, अरैल, मोहब्बतगंज, चाका, कसाई मोहल्ला, इंदलपुर , बसवार, मलावां, सरदियां, झूंसी ,न्यायनगर, केशरिया, दामूपुर, उमरी, मरियाडीह, कटहौला, हरवारा आदि क्षेत्रों में घर घर जाकर समर्थन मांगा। इस मौके पर कादिर ने कहा कि मेयर पद पर आप का आर्शीवाद मिला तो 24 घंटे के भीतर जनता से किये गये वादे पूरे किये जायेंगे। इस मौके पर डा० अल्ताफ, सर्वेश यादव, विनय पटेल, नितिन सिंह पटेल, आजमा, आलोक श्रीवास्तव, डा० जावेद, प्रशांत श्रीवास्तव, मो० अली जफर, पूमन सिंह, राम लखन चौरसिया, मो० आसिफ, कासिफ, आदिल समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना लक्ष्यः प्रभा

प्रयागराज। कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी प्रभा शंकर मिश्रा ने कहा कि नगर का विकास और उन्नयन ही मेरा लक्ष्य है।मेंहदौरी में चुनाव कार्यालय उदघाटन तथा कनिहार में बाइक रैली व जनसंपर्क के दौरान उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की बुनियादी जरूरतें स्वच्छ पानी, सड़कों में सुधार, नियमित इलाज, नगर की साफ-सफाई, गृहकर और जलकर में कमी के साथ सीनियर सिटीजन्स को 30ः छूट, प्राचीन धरोहरों को सुन्दर बनाना मकसद है। मुकुंद तिवारी ने कहा कि मिश्रा सभी के लिए सरलता से उप्लब्ध होने वाले वयक्ति हैं।इस दौरान वे वरिष्ठ नेता श्याम कृष्ण पांडेय के आवास भी आशीर्वाद लेने पहुंचे। उन्होंने मधवापुर में भी व्यापक जनसंपर्क कर लोगों से सहयोग माँगा। शहर अध्यक्ष प्रदीप अंशुमन, किशोर वार्ष्णेय, रघुनाथ द्विवेदी, हरिकेश त्रिपाठी, निशांत रस्तोगी, देवी पांडेय, भोले सिंह, अल्पना निषाद, दत्तात्रेय, इशतियाक अहमद, राहुल मिश्रा, फईम खान, मनोज पासी आदि थे।

जनता की समस्याओं का निदान करना हमारी पहली प्राथमिकताः गणेश केसरवानी

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के महापौर पद के प्रत्याशी उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने जन संपर्क करते हुए कहा कि आम जनता की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखना और उनकी समस्याओं का निदान करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी ।मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि सब्जी मंडी मुंडेरा, सुलेमसराय, जयंतीपुर, बक्शी मोड़ा, बैरहना, कटरा, नेतराम चौराहा, स्टैंडली रोड, दारागंज, मटियारा रोड, फाफामऊ बाजार, एवं हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं से जनसंपर्क किया गया।जनसंपर्क के दौरान विधायक हर्षवर्धन बाजपाई, मनोज कुमार कुशवाहा, राजेश केसरवानी, राकेश जैन, शिव भारती, अनिल भट्ट, सुनीता श्रीवास्तव, रिया केसरवानी, दीपक कुशवाहा, अरविंद ,आशुतोष पांडे ,जयवर्धन त्रिपाठी, अनिल दुबे, नीरज दीक्षित एवं भारतीय जनता पार्टी की सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनता को दिया आग से बचाव का प्रशिक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उ0प्र0 राज्य आपदा प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में विशप जॉनसेन गर्ल्स स्कूल एण्ड कॉलेज व तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली हास्पिटल)प्रयागराज में आज जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सी0एफ0ओ0 डॉ0 आर0के0पाण्डेय के निर्देशन में मॉकड्रिल का आयोजन दोनों स्थानों में किया गया। जिसमें राज्य आपदा प्राधिकरण लखनऊ से निखिल गंगवार द्वारा मार्क एक्सरसाइज की निगरानी की गयी और मिनट टू मिनट कार्यक्रम को दर्शाया गया। कार्यक्रम में जगदम्बा सिंह अपर जिलाधिकारी (वि0 रा0), अशोक कुमार सिंह प्रभारी सी0एम0ओ0 प्रयागराज, संजय बनरवाल डिप्टी सी0एम0ओ0, एन0डी0आर0एफ0 के कमाण्डेण्ट प्रेम कुमार पासवान, डिप्टी कमाण्डेण्ट एवं 23 कर्मचारी उपस्थित रहे। एस0डी0आर0एफ0 प्रयागराज की टीम के प्लाटून कमाण्डेण् मोइद्दीन खान, सिविल डिफेंस प्रयागराज के प्रभारी नरेन्द्र शर्मा एवं फायर सर्विस टीम प्रभारी नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी एवं आपदा मित्र की टीम द्वारा मॉक एक्सरसाइज में प्रभावी कार्यवाही की गयी। विद्यालय में अग्निशमन कार्य के पश्चात प्रभावित व्यक्तियों को 02 एन0डी0आर0एफ0 एवं 02एस0डी0आर0एफ0 की टीम द्वारा बचाया गया एवं 02 फायर सर्विस के हाइड्रोलिक प्लेटफार्म से पांचवी मंजिल से सकुशल जीवित उतारा गया। कार्यक्रम की सराहना सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, एन0जी0ओ0 और विद्यालय प्रबन्धन, शिक्षक, बच्चों और हास्पिटल में सी0एम0एस, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, सिविल डिफेंस के चीफ कमाडिंग आफिसर अनिल कुमार गुप्ता एवं डिवीजनल आफीसर रौनक एवं एन0जी0ओ0 प्रिज्मरोज संस्थान के फरहान आलम द्वारा सी0पी0आर0 का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम को जनता द्वारा सराहा गया।

युवतियों पर फब्तियां कस रहा युवक चढा पुलिस के हत्थे

घोसी, मऊ। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत नगर क्षेत्र के नरोखर पोखरा स्थित हनुमान मंदिर के पास रास्ते में आ जा रही महिलाओं और युवतियों पर फब्तियां कसने व अश्लील कमेंट करने के आरोप में कोतवाली की एंटी रोमियों टीम ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। स्थानीय कोतवाली के आरक्षी अखिलेश यादव ने कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराते हुए बताया कि मंगलवार की दोपहर करीब 2 बजकर 45 मिनट पर महिला आरक्षी राधा भारती व आरती के साथ स्थानीय थाने से प्रस्थान कर क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इसी दौरान नगर क्षेत्र के नरोखर पोखरा स्थित शिव मंदिर के पास रास्ते से आने जाने वाली युवतियों व महिलाओं पर एक युवक अश्लील कमेंट कर रहा था व फब्तियां कस रहा था। सिपाहियों की मदद से उसे पकडकर पूछ ताछ की गई तो उसने अपना नाम अर्जुन राजभर पुत्र ओमप्रकाश राजभर निवासी कसारा सोहनरिया थाना कोपागंज बताया। कोतवाली पुलिस ने सुसंगत धाराओं में केस दर्ज करते हुए चालान कर जेल भेज दिया।

निकाय चुनाव में जीत का मंत्र देने कुंभ नगरी आएंगे सीएम योगी

प्रयागराज। नगर निकाय चुनाव के प्रथम चरण में प्रयागराज में नगर निकाय और निगम के लिए चुनाव होना है। भाजपा समेत सभी प्रत्याशी इसे लेकर दिन रात पसीना बहा रही है। जनसंपर्क अभियान के साथ अब जन सभाओं का दौर शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में सीएम योगी भी पार्टी को जीत की संजीवनी देने प्रयागराज आयेंगे। माफिया राज के आतंक का अंत करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर के माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की गई जिससे हर जगह अमन-चौन कायम हुआ। भाजपा नगर निकाय चुनाव के संयोजक अवधेश गुप्ता बताते हैं कि प्रयागराज में चार दशकों से कायम अतीक के आतंक अंत कर भय मुक्त समाज का इतिहास बनाने वाली योगी सरकार की कार्यवाही निकाय चुनाव मे सबसे बड़ा मुद्दा है। अधिवक्ता उमेश पाल और उसके दो सरकारी गनर की हत्या के बाद महज 48 दिन में जिस तरह अतीक अहमद के 44 साल के आतंक पर योगी सरकार ने आखिरी कील ठोंकी उसे सम्पूर्ण देश ने देखा है। भाजपा माफियाओं पर प्रहार के साथ योगी सरकार में कुम्भ नगरी प्रयागराज में विकास की बयार को भी जन-जन में पहुंचाया है जिसमे अकेले स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत 1220 करोड़ रूपये के विकास कार्य शामिल हैं। नगर निकाय चुनाव के प्रथम चरण में 4 मई को प्रयागराज में वोट पड़ने हैं। नगर निगम प्रयागराज में पिछले बार भी भाजपा का ही मेयर रहा है और इस बार भी चुनावी माहौल पार्टी के पक्ष में नजर आ रहा है। इस बार निगम की पार्षद की सभी 100 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं जबकि मेयर के लिए एक आम पार्टी कार्यकर्ता उमेश चन्द्र गणेश केशरवानी को पार्टी ने टिकट दिया है। इधर मेयर और निकाय के पार्टी प्रत्याशियों को जीत का मूल मन्त्र देने खुद प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ प्रयागराज आ रहे हैं। भाजपा निकाय चुनाव के संयोजक अवधेश गुप्ता के मुताबिक शहर के परेड ग्राउंड में संगम किनारे से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पार्टी प्रत्याशियों को जीत की संजीवनी देंगे। अवधेश गुप्ता के मुताबिक फिलहाल 30 अप्रैल को सीएम योगी का संभावित प्रस्तावित है जिसमे स्थितियों के मुताबिक थोड़ा बहुत परिवर्तन भी हो सकता है।

25 सालों से नगरपालिका अध्यक्ष के पद पर काबिज भाजपा प्रत्याशी हरि प्रताप सिंह के पार्टी के बगावती दे रहे टक्कर

प्रतापगढ़ ।पिछले 25 वर्षों से नगरपालिका प्रतापगढ़ की कुर्सी पर काबिज पूर्व विधायक हरि प्रताप सिंह को उन्हीं के पार्टी से बगावत कर निर्दल उम्मीदवार उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। पार्टी से टिकट मांग रहे भाजपा जला संगठन के कई प्रत्याशी खुलकर बगावत पर उतर आए और निर्दलीय अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे हैं। जिला संगठन का एक धड़ा मानता रहा है कि पार्टी के अन्य लोगों को मौका दिया जाना चाहिए। आरोप है कि हरि प्रताप ने 25 सालों से शहर में कोई विकास नहीं किया है। वारिस होने पर कई मोहल्ले पानी में डूब जाते हैं। शहर की सड़के व साज सज्जा दुर्दशा के शिकार हैं। टिकट न मिलने से नाराज कार्यकर्ता पार्टी के खिलाफ उन्हें हराने के लिए मैदान में कूद पड़े हैं। यही हाल जिले के पॉच नगर पंचायतों का भी है। टिकट न मिलने से नाराज पदाधिकारी भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ चुनावी मैदान में है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने ऐसे बगावती कार्यकर्ताओं पर सख्ती दिखाई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक संपन्न

मऊ। बुधवार को जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय पर जनपद स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता सिंचाई ने बताया कि वर्ष 2023 में बाढ़ से निपटने हेतु रिजर्व स्टॉक के रूप में कुल ईसी (नया) 71925, नायलान क्रेट 1000, मिर्जापुर स्टोन बोल्डर 2000 घन मीटर, जीआई वायर क्रेट 2000, जियो बैग 2200, गैवियान रोप 500 संख्या की सामग्री की आवश्यकता है, जिसमें ईसी बैग (नया) 35825, नायलॉन क्रेट 1376, मिर्जापुर स्टोन बोल्डर 600 घन मीटर, जीआई वायर क्रेट 50 एवम् जिओ बैग 200 की मात्रा में रिजर्व स्टॉक में है। अवशेष रिजर्व स्टॉक की आपूर्ति हेतु ईसी बैग(नया) 36100, नायलान क्रेट 800, मिर्जापुर स्टोन बोल्डर 1940 घन मीटर, जीआई वायर क्रेट 1950, जिओ बैग 200, गैवियान रोप 500, जिनकी कुल कीमत 96.51लाख है,उसका प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। इसके अलावा वर्ष 2023 में बाढ़ से पूर्व तटबंधों के अतिसंवेदनशीलध्संवेदनशील स्थलों को भी चिन्हित कर कार्य योजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत बांधों पर हुए रेनकट्स,शाही होल्स, पॉट होल्स, रैट होल्स तथा कमजोर भाग की मरम्मत, रेगुलेटर गेटों की ऑयलिंग, ग्रीसिंग, मरम्मत आदि से संबंधित कार्य किए जाने हैं। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पिछली बार बाढ़ के दौरान आई समस्याओं के बारे में चर्चा करते हुए सभी संबंधित विभागों को सारी तैयारियां समय से पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारियो एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों की समन्वित टीम से कमजोर तटबंधो को चिन्हित कर उनके सुदृढ़ीकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिशासी अभियंता सिंचाई को दिए। इसके अलावा आपदा के समय तत्काल सहायता हेतु एनडीआरएफ की टीम से पूर्व में ही संपर्क स्थापित कर जनपद हेतु टीम रिजर्व रखवाने को कहा। उन्होंने पिछले वर्ष बाढ़ के दौरान गैस सिलेंडर, मिट्टी के तेल, भूसा आदि से संबंधित शिकायतों के दृष्टिगत सभी संबंधित अधिकारियों को इनकी पर्याप्त मात्रा मैं उपलब्धता समय से पूर्व ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अतीक के दफ्तर में मिले खून के धब्बे थे इंसान के

पुलिस जांच कर रही- हमला महिला पर हुआ या पुरुष पर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के खंडहर हो चुके दफ्तर में सोमवार को मिले खून के धब्बे इंसान के हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार फोरेंसिक जांच में इसकी पुष्टि हुई है। पुलिस अब यह पता कर रही है कि दफ्तर में आखिर किस पर जानलेवा हमला हुआ है। पुलिस को आशंका किसी महिला पर हमला होने की है, क्योंकि दफ्तर में साड़ी और चूड़ियां भी बिखरी मिली थीं। दफ्तर में पुलिस को कई स्थानों पर खून के धब्बे पहली मंजिल पर किचन से लेकर सीढ़ियों पर मिले थे। कपड़ों और दीवारों पर भी खून के छींटे थे। फर्श पर एक चाकू भी पड़ा था। उसमें भी खून लगा हुआ था। अतीक के दफ्तर में फोरेंसिक टीम को महिला के कपड़े मिले थे। इनमें एक दुपट्टा भी था जिस पर खून लगा था। जगह-जगह टूटी चूड़ियां बिखरी थीं। पुलिस को आशंका है कि मौके पर किसी महिला के साथ संघर्ष हुआ है। यह विवाद किस के बीच हुआ, क्यों हुआ और अतीक के ही कार्यालय में क्यों हुआ इसकी पुलिस तफ्तीश कर रही है। पुलिस आसपास के क्लिनिक, अस्पतालों में जाकर पता लगा रही है कि सोमवार को क्या किसी घायल महिला या पुरुष का इलाज हुआ है। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि यहां किसी की हत्या के बाद उसका शव ठिकाने तो नहीं लगाया। दफ्तर के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल पूरे मामले पर पुलिस आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कह रही है। अतीक अहमद के दफ्तर को पुलिस ने बैरिकेड कर दिया। अंदर मीडिया की भी एंट्री बैन हो गई है। खुल्दाबाद थाने की फोर्स राउंड द क्लॉक के लिए तैनात कर दी है।

शाइस्ता की तलाश में छापे

प्रयागराज। उमेश पाल मर्डर केस में वांटेड चल रहीं शाइस्ता परवीन की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है। अशरफ की बीवी जैनब और अतीक की बहन आयशा नूरी भी पुलिस रडार पर हैं। प्रयागराज में दोनों के छिपे होने की सूचना पर मंगलवार देर रात तक पुरामुफ्ती और हटवा के कई जगहों पर छापेमारी की गई। हालांकि, दोनों का अभी तक सुराग नहीं मिल सका है। उमेश पाल मर्डर केस में शूटर्स के संपर्क में रहीं और उन्हें एक-एक लाख रुपए देने वाली शाइस्ता पर इनाम की राशि 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपए करने की तैयारी है।

बागी चुनाव मैदान में, पार्टी प्रत्याशियों को छूट रहे पसीने

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मेरठ। नामांकन पत्रों की जांच के बाद सभी बागियों ने अपने-अपने वार्डों में चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। अधिकतर बड़े दलों के ही कार्यकर्ता बागी बनकर पार्टी के प्रत्याशी के सामने चुनाव की ताल ठोक रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता दो खेमों में बंट गए हैं, जिसका नुकसान पार्षद पद पर ही नहीं बल्कि महापौर प्रत्याशियों को भी झेलना पड़ सकता है।फूलबाग कॉलोनी वार्ड 60 से निर्वतमान पार्षद नीरज सिंह की पत्नी को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। इनके सामने भाजपा ओबीसी मोर्चा के सहमीडिया प्रभारी मनोज वर्मा की पत्नी ज्योति वर्मा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया है। इससे भाजपा के कार्यकर्ता दो खेमों में बंट गए हैं।वार्ड 18 से भाजपा नेता विपिन त्यागी ने भाजपा के पार्षद प्रत्याशी के सामने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोकते हुए चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। वार्ड 13 से नरेंद्र कश्यप भी भाजपा से बागी होकर पार्षद का चुनाव लड़ रहे हैं। त्यागी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश त्यागी ने भाजपा से नाराजगी जताते हुए भाजपा के बहिष्कार की चेतावनी दी है। बसपा, कांग्रेस और सपा में भी बागियों की कोई कमी नहीं है। कांशीराम आवासीय कॉलोनी के लोगों ने तो टिकट न मिलने पर बसपा जिला कार्यालय पर भी हंगामा किया था। ऐसे ही कई वार्डों में बागी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोके रहे हैं। जिनका असर महापौर प्रत्याशी पर भी पड़ेगा। इस संबंध में बसपा जिलाध्यक्ष मोहित आनंद का कहना है कि शहर में 18 वार्ड ऐसे हैं जिनमें बागियों के कारण ही हमने पार्टी का सिंबल देकर प्रत्याशी नहीं उतारा है। कांग्रेस में तो नामांकन के अंतिम समय गुटबाजी मुखर होती दिखी। जिसका वार्डों में साफ असर दिखाई दे रहा है। सपा से बागियों ने तो टिकट न मिलने पर जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पर ही आरोप लगा दिए। इसके उपरांत कई वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों के रूप में ताल ठोक दी।भाजपा में अंदरूनी उठापटक, पार्षद टिकटों पर कई वार्डों में असंतोष भाजपा में नगर निगम के कई वार्डों में टिकटों को लेकर कार्यकर्ताओं में असंतोष दिख रहा है।

पुलिस गिरफ्त में शराब कारोबारी

चित्रकूट। नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान के क्रम में पुलिस ने पांच लोगों के कब्जे से सौ लीटर महुआ शराब व 20 क्वार्टर देशी शराब बरामद की है।बुधवार को चौकी प्रभारी सीतापुर जनार्दन प्रताप सिंह की टीम ने फूलचन्द्र पुत्र छोटेलाल निवासी कपसेठी के कब्जे से 30 लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मतामला दर्ज किया। टीम में चौकी प्रभारी सीतापुर जनार्दन प्रताप सिंह, सिपाही अभिषेक प्रताप सिंह, सिपाही सोमदेव, शुभम शर्मा शामिल रहे। इसी क्रम में राजापुर थाने के वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह की टीम ने रामकिशोर धोबी पुत्र समरिया निवासी माधवगंज कस्बा राजापुर के कब्जे से दस लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा रामवीर सिंह, सिपाही उमेन्द्र त्रिपाठी शामिल रहे।राजापुर थाने के दरोगा काशीनाथ यादव की टीम ने जयलाल निषाद पुत्र रामचरण निवासी गोरा थाना मऊ के कब्जे से 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा काशीनाथ यादव, सिपाही मनोज कुमार शामिल रहे।मऊ थाने के दरोगा इंद्रजीत गौतम की टीम ने राम खेलावन निषाद पुत्र नत्थू निषाद निवासी कटैया खादर के कब्जे से 30 लीटर महुआ शराब एवं शराब बनाने के उपकरण समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा इंद्रजीत गौतम, सिपाही राहुल पांडेय, महिला सिपाही शिखा सिंह शामिल रहे।मऊ थाने के दरोगा गंगाचरन प्रजापति की टीम ने सुमैना पत्नी गंगा प्रसाद निवासी कटैया खादर के कब्जे से 30 लीटर महुआ शराब एवं शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।
-ः संस्थापक ः-
स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा
संपादक
स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)
मोबाइल नंबर 9450475366
Email
prayagdarpan@gmail.com
R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804
इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।